नई दिल्ली ■ बुधवार 17 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 259 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 आस्ट्रेलिया पर आतंकी हमला | 07 सूर्यकुमार पर बढ़ते दबाव के बीच भारत की नजरें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला जीतने पर | श्रद्धा कपूर ने फिल्म 'धुरंधर' की तारीफ की 08

उत्तर प्रदेश: कोहरे और तेज रफ्तार के चलते अलग-अलग सड़क हादसों में 31 की मौत

यमुना एक्सप्रेसवे हादसे में 13 लोग जिंदा जले, 70 झुलसे

- एक्सप्रेसवे पर कोहरे के चलते टकराए दस वाहन टक्कर के बाद लगी आग ने मचाया कोहराम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों के लिहाज से मंगलवार का दिन अमगंल ही रहा। कोहरा और तेज रफ्तार के चलते प्रदेश के कई जिलों में मार्ग दुर्घटनाएं हुईं। सोमवार की देर रात और मंगलवार को हुई इन दुर्घटनाओं में 31 लोगों की मौत हुई है और 87 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

इनमें सबसे भीषण हादसा में मथुरा जिले में एक्सप्रेसवे पर हुआ है ।यहां वाहनों के आपस में टकराने के बाद आग लगने से 13 लोग जिंदा जल गए। इसके अलावा बस्ती और उन्नाव जिले में चार-चार और लखनऊ, बागपत व बहराइच में दो-दो, नोएडा, मीरजापुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र जिले में एक-एक लोगों की मौत हुई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना में जानहानि पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। और कई घटनाओं में मुआवजे का भी ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने घायलों के बेहतर इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया है। मथुरा जिले के बलदेव थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के 127 किलोमीटर माइलस्टोन के पास मंगलवार तड़के कोहरे की वजह से कई वाहन आपस में टकरा गई। टक्कर के बाद सात बसों और तीन कारों में आग लग गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को मथुरा और वृंदावन के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। भीषण आग से शव बुरी तरह जल गए हैं, जिनकी पहचान होना मुश्किल है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराने की व्यवस्था की है। केवल कुछ ही शवों की शिनाख्त हो सकी है। मथुरा जिला प्रशासन हादसे के संबंध में हेल्पलाइन नंबर 0565-2403200 जारी किया गया है। किसी भी समस्या या जानकारी के लिए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा के मोबाइल नंबर 9454417583 और एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत के मोबाइल नंबर 9454401103 पर संपर्क किया जा सकता है।

यमुना एक्सप्रेसवे सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने दुख जताया, मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के शहर मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे पर दुख जताया । हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 25 से अधिक घायल हैं। प्रधानमंत्री ने हादसे के हताहतों के लिए मुआवजे की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आज कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे में हुए हादसे में लोगों का जान गंवाना बेहद दुख है। उनकी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। वे घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हैं। उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से हर मृतक के परिवार को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली-आगरा यमुना एक्सप्रेस-वे पर मथुरा जिले में आज तड़के सात बसों और तीन कार आपस में टकराने से भीषण आग लग गई, जिससे बड़ी जनहानि हो गई। दमकल कर्मियों ने आग पर नियंत्रण पा लिया है। यहां के अधिकारियों ने बताया कि घने कोहरे के बीच सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। इसके बाद इन वाहनों में आग लग गई। छह लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है। 25 से अधिक लोग झुलस गए हैं। एक्सप्रेस-वे के प्रभावित हिस्से में यातायात को अस्थायी रूप से रोका गया है।

उन्नाव: आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे सड़क हादसे में चार की मौत

जनपद उन्नाव में बागंरमऊ कोतवाली क्षेत्र स्थित आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। बांगरमऊ सीओ संतोष सिंह ने बताया कि फॉच्यूनर कार टायर फटने से बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान गाजियाबाद निवासी अशोक अग्रवाल (57), आकाश अग्रवाल (35), अभिनव अग्रवाल (20) के रूप में हुई है। एक मृतक की अभी पहचान नहीं हो पायी है।

इन जिलों में हुई दुर्घटनाएं

इसी तरह सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर सड़क किनारे खड़ी पिकअप में पीछे से एक अनियंत्रित कार ने टकर मार दी। हादसे में कार सवार ओरियंटल इन्श्योरेंस राबर्ट्सगंज के शाखा प्रबंधक वाराणसी के पांडेयपुर निवासी सत्य प्रकाश गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र में लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर बभनमई गांव के पास बीती देर जेसीबी और बाइक की टक्कर में बबलू गौतम की मौत हो गई। वहीं, राजू गौतम की नाजुक हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मीरजापुर जिले के अदलहाट थाना क्षेत्र के नरायनपुर ओवरब्रिज से पहले सिकिया गांव के सामने सोमवार देर रात सड़क हादसे में 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिकिया गांव निवासी बल्लू यादव के रूप में हुई है। इसी तरह नोएडा में थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के सोरखा गांव के पास सोमवार देर रात रात चलती कार में आग लग गई। इस घटना में एक पेंट व्यवसायी राजकुमार सिंघल (46) की की जिंदा जलकर मौत हो गई।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे : सड़क हादसे में दो की मौत

बाराबंकी जिले में मंगलवार को कोहरे के चलते दो वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी हैदरगढ़ अभिमन्यु मल्ल ने बताया कि मृतकों की पहचान बिहार राज्य के छपरा के ग्राम बाहुहारा निवासी बबलू (35) और यूपी के आजमगढ़ लालगंज हनुमानगढ़ निवासी दीपक कुमार (36) के रूप में हुई है।

बस्ती: ट्रक और बस की भिड़ंत में 4 की मौत

बस्ती जिले में कोतवाली क्षेत्र राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर सोमवार देर रात को एक ट्रक और बस की टक्कर हो गई। हादसे में बस्ती निवासी अब्दुल्ला (60), मुख्तार अली (75), बस चालक संदीप पांडेय (32) और ट्रक चालक शिवराज सिंह की मौत हो गई। इस हादसे में 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। डीआईजी संजीव त्यागी ने बताया कि संतकबीर नगर से एक प्राइवेट बस यात्रियों को लेकर अजमेर शरीफ के उर्स में शामिल होने जा रही थी। बस में करीब 60 लोग सवार थे। कोतवाली थाना क्षेत्र में हरदिया के पास सोमवार देर रात हादसा हो गया।

बागपत में सिपाही समेत दो की मौत

बागपत जिले के सिंघावली अहीर थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि कोर्ट के एक नोटिस पर हेड कांस्टेबल राहुल और कौशल शर्मा बसोद गांव निवासी गुड्डू, तैयब और अजहरुद्दीन को साथ लेकर मेरठ दबिश देने गए थे। रात्रि में करीब दो बजे जब लौटते समय उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में कांस्टेबल राहुल और अजहरुद्दीन की मौत हो गई, जबकि एक कांस्टेबल सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों का मेरठ अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लखनऊ में सड़क हादसों में दो की मौत

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी दो सड़क हादसे हुए हैं। पहली घटना रहीमाबाद थाना क्षेत्र स्थित लखनऊ-हरदोई रोड पर रियाज ढाबे के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार माल कस्बा निवासी प्रिंस यादव की मौत हो गई। दूसरा व्यक्ति अरुण घायल है। वहीं, एक अन्य घटना मे सोमवार की देर रात को महिगवा थाना क्षेत्र के उमरावां चौराहा के पास दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान इंटौजा थाना क्षेत्र के रामनाथ उर्फ कोटे के रूप में हुई है।

संक्षिप्त खबरें

बंगाल में मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित 58 लाख से अधिक नाम हटाए गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित कर दिया गया है। राज्य में कुल सात करोड़ 66 लाख 37 हजार 529 पंजीकृत मतदाताओं में से सात करोड़ आठ लाख 16 हजार 630 मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए हैं, जो कुल मतदाताओं का 92.40 प्रतिशत है। मृत्यु, पलायन और गणना प्रपत्र जमा नहीं करने सहित अन्य कारणों से 58 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार यह चरण चार नवंबर 2025 से 11 दिसंबर 2025 तक चला। इस दौरान पारदर्शिता और समावेशन को प्राथमिकता देते हुए व्यापक स्तर पर मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। अधिकारियों के अनुसार यह भागीदारी विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण की बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस प्रक्रिया में 24 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, 294 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, 3059 सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और 80 हजार 681 मतदान केंद्रों पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही।

हरियाणा का 23वां जिला होगा हांसी, मुख्यमंत्री सैनी ने की घोषणा

जम्मू। चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हांसी को नया जिला बनाने का ऐलान किया है। मंगलवार को हांसी में आयोजित रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। हांसी हरियाणा का 23वां जिला होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि वर्ष 2017 में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हांसी को पुलिस जिला बनाया था। चुनाव से पहले वह जब हांसी में आए थे तो आचार संहिता लगी हुई थी। इसके चलते लोगों की यह मांग अधूरी रह गई थी। मुख्यमंत्री ने हांसी में जैसे ही इसकी घोषणा की वैसे ही लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाई। मुख्यमंत्री ने मंच से दावा किया कि हांसी को जिला बनाए जाने के संबंध में एक सप्ताह के भीतर अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

आतंक से जुड़े नेटवर्क पर सीआईके ने घाटी भर में चलाया तलाशी अभियान

श्रीनगर। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने मंगलवार को सामाजिक सक्रियता की आड़ में सक्रिय आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की। घाटी के कई जिलों में समन्वित तलाशी अभियान चलाते हुए 12 संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई श्रीनगर स्थित एनआईए अधिनियम के तहत नामित विशेष न्यायाधीश न्यायालय के तलाशी वारंट के माध्यम से उचित प्राधिकरण प्राप्त करने के बाद की गई। यह मामला विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू हुआ है, जिसमें बताया गया है कि जम्मू-कश्मीर में कुछ व्यक्ति जनसंचार माध्यमों, सोशल मीडिया, मानवाधिकार संगठनों, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण से जुड़े मंचों का इस्तेमाल भारत की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए गंभीर रूप से हानिकारक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे थे।

खेती, स्वास्थ्य और डिजिटल समावेशन में भारत के अनुभव का लाभ उठा सकता है जॉर्डन : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 'भारत-जॉर्डन बिजनेस मीट' को संबोधित करते हुए खेती, स्वास्थ्य और डिजिटल समावेशन के क्षेत्र में सहयोग का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक विश्वास और भविष्य के आर्थिक अवसर दोनों देशों को आपस में जोड़ते हैं।

भारत-जॉर्डन व्यापार मंच में आज प्रधानमंत्री किंग अब्दुल्ला द्वितीय और उनके युवराज अल-हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय के साथ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भारत और जॉर्डन के बीच व्यापार, व्यवसाय और निवेश संबंधों को और मजबूत करने के क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। बिजनेस मीट में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास दर 8 प्रतिशत से ऊपर है। यह विकास गति उत्पादकता संचालित प्रशासन और नवाचार संचालित नीतियों का नतीजा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को शुष्क जलवायु में खेती का बहुत अनुभव है। यह अनुभव जॉर्डन में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि हम सुव्यवस्थित खेती और माइक्रो सिंचाई जैसे समाधान पर काम कर सकते हैं। कोल्ड चैन, फूड पार्क और स्टोरेज सुविधा बनाने में भी हम मिलकर काम कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र को रणनीति प्राथमिकता का क्षेत्र बताते हुए कहा कि जॉर्डन में भारतीय कंपनियां मेडिसिन बनाएं, मेडिकल डिवाइस बनाएं।

इससे जॉर्डन के लोगों को फायदा होगा। साथ ही पूर्वी एशिया और अफ्रीका के लिए भी जॉर्डन एक भरोसेमंद हब बन सकेगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक को भारत ने समावेश और कार्यदक्षता का मॉडल बनाया है। हमारे यूपीआई आधार, डिजिटल लॉकर जैसे फ्रेमवर्क आज वैश्विक मानक बनकर उभरे हैं। उन्होंने जॉर्डन के नेतृत्व के साथ इन फ्रेमवर्क को जॉर्डन के सिस्टम से जोड़ने पर चर्चा की।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड: लूथरा बंधु थाईलैंड से प्रत्यर्पित, गिरफ्तार

नई दिल्ली। गोवा के 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के सह-मालिकों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा को थाईलैंड से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद मंगलवार को दिल्ली पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें दो दिन की 'ट्रांजिट रिमांड' पर रखा गया है ताकि उन्हें गोवा की अदालत में पेश किया जा सके।

नाइटक्लब में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। उत्तरी गोवा के अरपोरा में 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में आग लगने के 10 दिन बाद, दोनों भाई इंडिगो की उड़ान से दिल्ली लाए गए और उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए तुरंत अधिकारियों के हवाले कर दिया गया। गोवा पुलिस के मुताबिक, लूथरा बंधुओं को बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे दिल्ली से गोवा लाया जाएगा। गौरव और सौरभ अपने नाइटक्लब में आग लगने के कुछ घंटों बाद फुकेत भाग गए थे। कड़ी सुरक्षा के बीच, गौरव (44) और सौरभ (40) को पटियाला हाउस अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट ट्विंकल चावला के समक्ष पेश किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने गोवा पुलिस को लूथरा बंधुओं की दो दिन की 'ट्रांजिट रिमांड' प्रदान की।

गोवा पुलिस के जांच अधिकारी ने तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड का अनुरोध किया और अदालत को सूचित किया कि उन्हें जल्द से जल्द उड़ान से गोवा ले जाया जाएगा। गोवा पुलिस के मुताबिक लूथरा बंधुओं को बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे दिल्ली से गोवा लाया जाएगा। दोनों आरोपियों को भारी सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग पुलिस वाहनों में अदालत लाया गया था। दोनों को चिकित्सा जांच के लिए सफदरजंग अस्पताल भी ले जाया गया था। आग की घटना के बाद लूथरा बंधुओं के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं।

जांचकर्ताओं का आरोप है कि नाइटक्लब द्वारा अनिवार्य अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के कारण यह घटना और भी गंभीर हो गई। इस घटना ने प्रबंधन द्वारा कथित अग्नि सुरक्षा उल्लंघनों और चूक पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

गौरव और सौरभ अपने नाइटक्लब में आग लगने के कुछ घंटों बाद, सात दिसंबर को तड़के फुकेत भाग गए, जिसके चलते इंटरपोल का 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी किया गया और उनके पासपोर्ट रद्द कर दिए गए। भारत सरकार के अनुरोध के बाद 11 दिसंबर को थाईलैंड के अधिकारियों ने फुकेत में दोनों को हिरासत में ले लिया। भारत सरकार ने दोनों देशों के बीच कानूनी संधियों के तहत उन्हें निर्वासित करने के लिए थाईलैंड के अधिकारियों के साथ समन्वय किया।

पणजी में, गोवा पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि नई दिल्ली में लूथरा भाइयों को हिरासत में लेने और ट्रांजिट रिमांड प्राप्त करने के बाद, गोवा पुलिस दोनों आरोपियों को गोवा ला रही है। दिल्ली की एक अदालत ने 11 दिसंबर को लूथरा बंधुओं की ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं थी।

आईपीएल नीलामी: कैमरन ग्रीन बने इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में 16 दिसंबर को एक नया रिकॉर्ड बन गया। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआई) ने उन्हें 25.20 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि में उन्हें अपने साथ जोड़ा। कैमरन ग्रीन के लिए रिकॉर्डतोड़ बोली ने एक बार फिर आईपीएल नीलामी की गर्मजोशी और फ्रेंचाइजियों की रणनीतियों को सुर्खियों में ला दिया है।

केकेआर की यह बोली आईपीएल नीलामी में किसी विदेशी खिलाड़ी पर अब तक की सबसे बड़ी राशि है। इससे पहले यह रिकॉर्ड भी केकेआर के नाम था, जब फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2024 नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस बीच, 2025 मेगा ऑक्शन से पहले आईपीएल ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए एक नया नियम लागू किया था, जिसके तहत 'अधिकतम फीस सीमा' तय की गई। यह फैसला फ्रेंचाइजियों की बढ़ती चिंता को देखते हुए लिया गया, क्योंकि हाल के वर्षों में कई बड़े विदेशी खिलाड़ी मेगा ऑक्शन से दूरी बनाकर रखते थे और केवल मिनी ऑक्शन में ही नाम डालते थे। मिनी ऑक्शन में खिलाड़ियों की संख्या सीमित होने और टीमों की मजबूरी के चलते बोली की रकम तेजी से बढ़ जाती थी, जो कई बार असंतुलित और अस्थिर स्तर तक पहुंच जाती थी। इसी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए आईपीएल ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम फीस की सीमा लागू करने का फैसला किया।

मेसी के आयोजन में अराजकता के चलते अरूप विश्वास का इस्तीफा मंजूर

अब खेल मंत्रालय भी संभालेंगी सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता। लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था के मामले में बड़ा राजनीतिक फैसला सामने आया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खेल मंत्री अरूप विश्वास द्वारा सफेद पेपर पर हाथ से लिखकर भेजा गया इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि निष्पक्ष जांच पूरी होने तक खेल और युवा कल्याण विभाग किसी अन्य मंत्री को नहीं सौंपा जाएगा और फिलहाल यह विभाग वह स्वयं संभालेंगी। अरूप विश्वास ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा है कि युवभारती कांड की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए वह खेल मंत्री पद से स्वयं को मुक्त करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पत्र को स्वीकार करते हुए अरूप विश्वास की भावना और उद्देश्य की सराहना की है। अपने जवाबी पत्र में उन्होंने लिखा कि जब तक पूरी तरह निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक वह स्वयं इस विभाग की जिम्मेदारी निभाएंगी।

गंगा एक्सप्रेस-वे को नोएडा से जोड़ने के लिए बनेगा 74.3 किमी लंबा लिंक एक्सप्रेस-वे

नोएडा। उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेस-वे को यमुना एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए 74.3 किलोमीटर लंबा लिंक एक्सप्रेस-वे बनाया जाएगा। इसके लिए प्रक्रिया तेज हो गई है। लिंक एक्सप्रेस-वे 56 गांवों की भूमि पर बनेगा। जिनमें गौतमबुद्ध नगर के 8 और बुलंदशहर के 48 गांव हैं। इस पर करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। गंगा एक्सप्रेस-वे को यमुना एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेस-वे को बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

यमुना प्राधिकरण इसके निर्माण के लिए यीडा क्षेत्र के 16 गांव की करीब 740 एकड़ भूमि की खरीद करेगा। इसका सर्वे पूरा हो गया है। जनवरी से भूमि की खरीद शुरू हो जाएगी। 74.3 किलोमीटर लंबा लिंक एक्सप्रेस-वे एयरपोर्ट को भी जोड़ेगा। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) गंगा एक्सप्रेस-वे को यमुना एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेस-वे बनाएगा। लिंक एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र से शुरू होगा और यमुना एक्सप्रेस-वे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर 21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा।

इस लिंक एक्सप्रेस-वे का करीब 20 किलोमीटर का हिस्सा यीडा क्षेत्र में है। इसमें से 9 किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड होगा। सर्विस रोड के निर्माण से स्थानीय ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। इसके लिए 16 गांवों की लगभग 740 एकड़ भूमि खरीदी जाएगी। इस पर 1200 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यमुना विकास प्राधिकरण ने सर्वे के बाद भूमि खरीदने की तैयारी कर ली है। तहसील के है। यह परियोजना करीब 4000 करोड़ रुपये में पूरी होगी। मेरठ से गंगा एक्सप्रेस-वे के यमुना एक्सप्रेस-वे से जुड़ने के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और यमुना एक्सप्रेस-वे पर आगरा से ग्रेटर नोएडा तक की राह आसान हो जाएगी। साथ ही देश-विदेश से आने वाले यात्रियों को इस एक्सप्रेस-वे के जरिए मेरठ से प्रयागराज तक भी सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। नोएडा एयरपोर्ट से जुड़ने पर गंगा एक्सप्रेस-वे की उपयोगिता और बढ़ जाएगी।

इसके अलावा लिंक एक्सप्रेस-वे का यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टर 28, 29, 32, 33 से भी सीधा जुड़ाव होगा। लिंक एक्सप्रेस-वे में गौतमबुद्ध नगर में जेवर तहसील के मेहंदीपुर बांगर, भाईपुर ब्रहमनान, रबुपूरा, भुन्नातगा, म्याना, फाजिलपुर और कल्लूपुरा की जमीन आ रही है। वहीं, खुर्जा तहसील के अमानुल्लापुर उर्फ मारहरा, इनायतपुर उर्फ मधुपुरा, कपना, भगवानपुर, हसनपुर लड्डूकी, बीघेपुर, सनैता शफीपुर, भदौरा, वरतौली, खवरा, धरारी, दीनौल, खलसिया चूहरपुर, विचौला, धरांऊ की जमीन आ रही है। बुलंदशहर तहसील के औरंगाबाद, हिंगथला उर्फ भावसी, चरौरा मुस्तफाबाद, सैदपुरा, इस्माइला, सराय छबीला, अडौली, दोहली, चिरचिटा, मामन खुर्द, मामनकुलां, भाईपुर, ऐमनपुर, कलौली, बंगला पूठरी, पिपाला इखलासपुर, मूडीवकापुर, चिरचिटाकी जमीन आ रही है।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि 'गंगा एक्सप्रेस-वे को यमुना एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए 74 किलोमीटर लंबा लिंक एक्सप्रेस-वे बनना है। इसके लिए यीडा क्षेत्र में 16 गांव की 740 एकड़ भूमि की खरीद होगी, जिसका सर्वे पूरा हो गया है। जनवरी से जमीन की खरीद शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि लिंक एक्सप्रेस-वे बनने से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आने में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को काफी आसानी होगी।

चलती कार में लगी आग, पेंट व्यवसायी की जिंदा जलकर मौत

नोएडा। नोएडा में थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के सोरखा गांव के पास सोमवार देर रात रात चलती कार में आग लग गई। इस घटना में एक पेंट व्यवसायी की जिंदा जलकर मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना सेक्टर 113 के थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने मंगलवार को बताया कि राजकुमार सिंघल (46) पेंट व्यवसायी थे।

सोमवार देर रात को वह अपनी कार में सवार होकर परथला चौक की तरफ जा रहे थे, तभी अचानक अज्ञात कारणों से उनकी कार में आग लग गई। इस घटना में वह कार में फंस गए और जिंदा जलकर उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची, तब तक कार जल चुकी थी।

पुलिस ने राजकुमार सिंघल के शव को जली हालत में कार से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना प्रभारी ने बताया कि आशंका है कि कार में ज्वलनशील पदार्थरखा था, जिसकी वजह से आग ने तेजी पकड़ ली। आग की चपेट में आकर राजकुमार की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

किराये पर ली गईं गाड़ियां हड़पने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। किराये पर ली गई गाड़ियों को हड़पने और वाहन मालिक को धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

रोहतास बिहार के पीड़ित राजू रंजन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 मार्च 2025 को आर्यन गुप्ता और अमन मावी नाम के दो व्यक्तियों ने उनसे दो वाहन किराये पर लिए थे। दोनों वाहनों का किराया 35 हजार रुपये प्रति माह तय हुआ था। शुरू में आरोपियों ने दो महीने तक किराया दिया, लेकिन इसके बाद अचानक भुगतान बंद कर दिया।

जब उन्होंने फोन पर संपर्क कर किराया और वाहन वापस मांगे तो दोनों आरोपियों ने कहा कि अब न तो किराया दिया जाएगा और न ही गाड़ियां लौटाई जाएंगी। पीड़ित का कहना है कि आर्यन गुप्ता जगतफार्म मार्केट व अमन मावी भाटी हाउस ग्रेटर नोएडा रहता है। वहीं कोतवाली प्रभावी विनोद कुमार का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

दुकानदार की पिटाई कर बदमाशों ने लूटे पौने दो लाख रुपए

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में रहने वाले एक परचून दुकानदार के साथ बीती रात अज्ञात बदमाशों ने मारपीट कर उसकी दुकान में रखे हुए पौने दो लाख रूपये लूट लिए। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 113 के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि सर्फाबाद गांव में परचून की दुकान करने वाले इंद्रजीत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाश उनकी दुकान पर आए। बदमाशों ने उनके साथ मारपीट कर उनकी दुकान में रखी हुई पौने दो लाख रुपए की नगदी लूट लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस आयुक्त ने नोएडा में 9 थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र बदले

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कानून व्यवस्था को चाक चौबंद करने के उद्देश्य से कई थाना प्रभारियों का तबादला मंगलवार को किया है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गौतम ने बताया कि निरीक्षक अरविंद कुमार को कार्यवाहक प्रभारी थाना दादरी से थाना सेक्टर 20 का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। उन्होंने बताया कि निरीक्षक धर्म प्रकाश शुक्ला को प्रभारी निरीक्षक थाना सेक्टर 20 से निरीक्षक सेक्टर 39, निरीक्षक अमित तोमर को आईटी सेफ सेंट्रल नोएडा से निरीक्षक थाना सेक्टर 58, निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह को थाना सेक्टर 63 से कार्यवाहक निरीक्षक थाना फेस दो बनाया गया है। इसी तरह निरीक्षक अमित कुमार को थाना सेक्टर 58 से निरीक्षक थाना सेक्टर 63, निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह को निरीक्षक थाना दादरी, निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ला को थाना रबूपुरा निरीक्षक तथा निरीक्षक विंध्याचल तिवारी को निरीक्षक थाना एचएचटीयू, निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा को निरीक्षक एसओजी बनाया गया है।

प्रदूषण के चलते 22 प्रतिशत बढी सांस रोगियों की संख्या

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में बढ़ते प्रदूषण के बाद जिला अस्पताल के साथ ही अन्य अस्पतालों की आईसीयू में भी पिछले 4 दिनों से मरीजों की संख्या बढ़ी है। जिला अस्पताल की ओपीडी में पिछले हफ्ते के मुकाबले सांस रोगियों की संख्या 22 प्रतिशत बढ़ गई है। फिजिशियन की ओपीडी में पहले 800 के करीब मरीज आते थे। अब मरीजों की संख्या एक हजार से ज्यादा पहुंच गई है, जिसमें 250 से 300 को सांस लेने में दिक्कत, खांसी, गले में संक्रमण, आदि की समस्या है। जिला अस्पताल आईसीयू के प्रभारी डॉ. असद ने बताया कि पहले वायु प्रदूषण सांस रोगियों की बीमारी बढ़ा देता है। चार दिनों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि जो भी मरीज आईसीयू में आ रहे हैं, उनका ऑक्सीजन सेचुरेशन 65-75 के बीच है। आमतौर पर सामान्य मरीजों का ऑक्सीजन सेचुरेशन 95 या इससे अधिक होना चाहिए। जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. अनुराग सागर ने बताया कि वायु प्रदूषण करीब दो महीने से है। सांस लेने में दिक्कत होने पर सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल के आईसीयू में एक 60 वर्षीय महिला को भर्ती कराया गया। ऑक्सीजन सेचुरेशन की स्थिति को देखकर मरीज को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है।

बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्राधिकरण ने की बैठक

नोएडा। नोएडा में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने को लेकर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों की एक बड़ी बैठक हुई। बैठक में वर्तमान में लागू ग्रैप-4 के नियमों का पालन कराने के लिए सीईओ ने सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए। इस बैठक में नोएडा क्षेत्र में स्थित विभिन्न आईटी कंपनियों एवं स्कूलों व यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने शहर की खराब वायु गुणवत्ता के नियंत्रण एवं वर्तमान में लागू ग्रैप-4 के अनुपालन के संबंध में प्राधिकरण के विभिन्न विभागों की बैठक ली। बैठक में प्राधिकरण के समस्त अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, प्राधिकरण के सभी महाप्रबंधक, उप महाप्रबन्धक एवं वरिष्ठ प्रबन्धक उपस्थित रहे। इसके साथ ही बैठक में विभिन्न आईटी कम्पनियों एवं स्कूलों व यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सीईओ ने 15 दिसंबर 2025 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन के संबंध में सभी को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्री द्वारा स्कूलों व संस्थाओं के प्रतिनिधियों से भी वायु-गुणवत्ता सुधारने हेतु उनकी ओर से प्रयास किये जाने की अपेक्षा की गई। उन्होंने वाहनों द्वारा उत्सर्जित प्रदूषण को एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण माना है। जिसको नोएडा क्षेत्र में नियंत्रित किये जाने, ईवी को बढ़ावा दिये जाने के लिए परिवहन विभाग को पत्र लिखने एवं प्राधिकरण क्षेत्र में ईवी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गय हैं। साथ ही प्राधिकरण में उपपयोग में लाये जा रहे वाहनों पर को ईवी व हाइब्रिड वाहनों से परिवर्तित कर इसकी पहल किये जाने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त जनस्वास्थ्य विभाग में विभिन्न कार्यों में संलग्न विभिन्न वाहनों को अपग्रेड किये जाने के निर्देश दिये गये।

बैठक के दौरान सीईओ ने उपस्थित आईटी कंपनियों एवं स्कूलों से प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई कि ग्रेप-3, ग्रेप-4 की अवधि में वर्क फर्मा होम तथा ऑनलाईन व हाइब्रिड मोड पर अथवा अन्य विकल्पों के माध्यम से स्कूलों का संचालन करने, जिससे वाहनों का आवागमन कम हो। इसके अतिरिक्त उक्त अवधि में किसी भी बड़े कार्यक्रम आयोजित न किए जाने की बात कही। जायें, जिसमें वाहनों के एकत्रित होने की सम्भावना हो। वहीं उद्योगों व वाणिज्यिक गतिविधियों से प्रदूषित गैस व वायु का उत्सर्जन न हो इस संबंध में भी निर्देश दिये गये।

ग्रीन बेल्ट की चारदीवारी तोड़ने का आरोप में प्राथमिकी दर्ज

ग्रेटर नोएडा। स्वर्ण नगरी सेक्टर में स्थित ग्रीन बेल्ट की चारदीवारी क्षतिग्रस्त करने और पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाने के मामले ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। बीटा-2 कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक (उद्यान) हरिंद्र सिंह का कहना है कि स्वर्ण नगरी सेक्टर में सार्वजनिक हरित क्षेत्र को नुकसान की सोशल मीडिया पर मिली शिकायत के बाद 13 दिसंबर को स्थल का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में पाया गया कि मकान संख्या-138 ब्लॉक-बी सेक्टर स्वर्ण नगरी के सामने स्थित ग्रीन बेल्ट की चारदीवारी को करीब दो मीटर की लंबाई में क्षतिग्रस्त किया गया है। इसके साथ ही वहां लगे पेड़-पौधों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। प्राधिकरण के अनुसार यह कृत्य मकान संख्या-138 ब्लॉक-बी के निवासी निवास नागर और मधु नागर द्वारा किया गया है। दोनों का स्थायी पता गांव जुनपत अफजलपुर है। आरोप है कि ग्रीन बेल्ट सार्वजनिक संपत्ति है। उसे नुकसान पहुंचाना लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन है। वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

महिला समेत चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के घरों की रेकी कर कीमती सामान चोरी करने वाले एक गिरोह में शामिल महिला समेत 4 बदमाशों को थाना सेक्टर-49 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की कार, 2 मोटरसाइकिल, इलेक्ट्रॉनिक सामान, आभूषण, विदेशी करेंसी, 45,060 रूपये नकद व अन्य कीमती सामान बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरोह के सरगना आशीष मसीह के द्वारा बताया गया कि वह बरेली का रहने वाला है और उसकी पत्नी रूबीना, साला शाहरूख व उसका दोस्त विशाल चोरी में उसका सहयोग करते है। पहले आशीष मसीह व उसका दोस्त विशाल व उसका साला शाहरूख द्वारा दिन में उन घरों को चिन्हित कर लिया जाता है, जिनमें ताला लगा होता है व जहां पर सन्नाटा होता है, उसके बाद चिन्हित किये गये घर व चोरी की प्लानिंग के बारे में वह अपनी पत्नी रूबीना को बताता था, जिसके बाद रात के अंधेरे में घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं।

उन्होंने बताया कि बीते 13-14 दिसंबर की रात्रि में इनके द्वारा सेक्टर-49 नोएडा स्थित एक घर का ताला तोड़कर अपने दोस्त विशाल व साले शाहरूख व पत्नी रूबीना के साथ मिलकर घर से सामान चोरी किया गया था। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

गहरे कुएं में गिरे गोवंश की गोरक्षकों ने बचाई जान

दनकौर। गढ़ी आजमपुर गांव में मंगलवार को मानवता और सेवा भावना की मिसाल देखने को मिली। वन क्षेत्र में स्थित एक संकरे और गहरे कुएं में एक गोवंश गिर गया था। सूचना मिलने पर गोरक्षकों की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद गोवंश की जान बचाई। इस पूरे रेस्क्यू अभियान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग गोरक्षकों की सराहना कर रहे हैं। गोवंश करीब 10 घंटे से कुएं में फंसा हुआ था। मंगलवार सुबह जब इसकी सूचना गोरक्षकों को मिली तो त्रिलोक नागर के नेतृत्व में टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने सूझबूझ और धैर्य के साथ रस्सियों व अन्य साधनों की मदद से गोवंश को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस मौके पर हनी भाटी, सोनू गौड़, दीपांशु शर्मा, संजय भाटी, अनुज समेत अन्य गोरक्षक और बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

ग्रेनो में राहगीरों को मिलेगी ठंड से राहत 19 सार्वजनिक स्थानों पर जलेंगे अलाव

ग्रेटर नोएडा। तेजी से बढ़ रही ठंड और शीतलहर के असर को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आमजन को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के 19 प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। इन स्थानों का चयन उन इलाकों को ध्यान में रखकर किया गया है, जहां दिन-रात लोगों की आवाजाही अधिक रहती है और ठंड से सबसे ज्यादा परेशानी होती है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिन 19 स्थानों पर अलाव जलाए गए हैं, उनमें जगत फार्म, परी चौक के पास सूरजपुर-कासना रोड, परी चौक पुलिस चौकी के पास, सूरजपुर एंट्री प्वाइंट, एच्छर सेक्टर-36 के गेट नंबर-4 के पास, अल्फा कमर्शियल बेल्ट में डोमिनोज के पास और एचडीएफसी बैंक के पास शामिल हैं। इसके अलावा कुलेसरा, कासना, सेक्टर बीटा-1 स्थित सीएम मार्केट, शारदा अस्पताल के पास, ओमेगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स (यमुना प्राधिकरण के पास), दुर्गा टॉकीज रोटरी के पास, दो रैन बसेरा, हनुमान मंदिर बिसरख के पास, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में चार मूर्ति चौक, मेट्रो स्टेशन तुगलपुर के पास और पी-3 गोलचक्कर के पास भी अलाव की व्यवस्था की गई है।

अलाव की यह व्यवस्था खासतौर पर फुटपाथ पर रहने वाले लोगों, रैन बसेरों में ठहरे जरूरतमंदों, मजदूरों, यात्रियों और देर रात तक आने-जाने वाले नागरिकों को ठंड से बचाने के उद्देश्य से की गई है। इन स्थानों पर नियमित रूप से लकड़ी और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि अलाव लगातार जलते रहें। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि फिलहाल 19 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है, लेकिन यदि ठंड और बढ़ती है या किसी अन्य क्षेत्र से मांग आती है तो अतिरिक्त स्थानों पर भी अलाव जलाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य है कि सर्द मौसम में किसी भी व्यक्ति को ठंड के कारण परेशानी का सामना न करना पड़े। प्राधिकरण द्वारा की गई यह पहल सर्दी के मौसम में मानवीय संवेदनाओं का उदाहरण है। स्वास्थ्य विभाग और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लगातार निगरानी रखें और जरूरतमंदों तक सहायता समय पर पहुंचाएं, ताकि ठंड के दौरान किसी प्रकार की जनहानि न हो।

पिछली सरकारों की गलतियों को सुधारने में जुटी मौजूदा दिल्ली सरकार: सीएम रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जलभराव और प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत सुनहरी पुल नाले के डी-सिल्टिंग कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के सभी प्रमुख नालों की गाद निकालने का काम गंभीरता से कर रही है ताकि बरसात के समय जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके और यमुना नदी में प्रदूषित पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से बारापुला ड्रेन और सुनहरी पुल नाले का कई बार दौरा किया गया है। उन्होंने कहा कि जब भी बारिश होती थी, इस इलाके के आसपास की सभी कॉलोनियों में पानी भर जाता था।

यह समस्या एक-दो बार नहीं, बल्कि हर मानसून में सामने आती रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस नाले की डी-सिल्टिंग का काम पहले भी कई बार किया गया है और सभी संबंधित एजेंसियां इस स्थिति से भली-भांति परिचित हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह नाला वर्ष 2010 में बनाया गया था, लेकिन इसके निस्तारण के लिए कहीं भी उचित आउटलेट नहीं दिया गया था, जिससे इसकी नियमित सफाई संभव नहीं हो पाती थी। उन्होंने कहा कि आज की सरकार इन बुनियादी खामियों को दूर करने का प्रयास कर रही है। चाहे दिल्ली में जलभराव की समस्या हो या प्रदूषण की चुनौती, दिल्ली के लोग पिछली सरकारों की गलत नीतियों और लापरवाहियों का खामियाजा भुगत रहे हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने समय रहते सही तरीके से काम किया होता, तो दिल्ली को आज यह हालत नहीं देखने पड़ती। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने दिल्ली को दर्द देने का काम किया है और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान नहीं दिया है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इन गलतियों को सुधारने की पूरी कोशिश कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम जरूर सामने आएंगे, भले ही इसमें थोड़ा समय लगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य सिर्फ जलभराव से राहत दिलाना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती देना है। नालों की सही तरीके से सफाई होने से यमुना नदी में जाने वाला गंदा पानी नियंत्रित होगा, जिससे नदी की हालत में सुधार आएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी इसकी जानकारी शेयर की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि सुनहरी पुल नाला के डी-सिल्टिंग कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। दिल्ली सरकार राजधानी के सभी प्रमुख नालों की डी-सिल्टिंग सुनिश्चित कर रही है, ताकि यमुना नदी में प्रदूषित जल के प्रवाह को नियंत्रित किया जा सके और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिले।

इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी प्रवेश सिंह साहिब एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली को सहकारिता का नेशनल हब बनाएगी सरकार : रविन्द्र इन्द्राज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने मंगलवार को दिल्ली को सहकारिता का नेशनल हब बनाने की बात की। उन्होंने यह बात नाबार्ड की ओर से स्टेट एम्पोरिया काम्प्लेक्स में आयोजित सहकार हाट के शुभारंभ अवसर पर कही।

इस अवसर पर मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि देशभर के सहकारिता से जुड़े लोगों और उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए दिल्ली सरकार मार्केटिंग के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगी। इन्द्राज सिंह ने कहा कि सहकारिता आंदोलन भारत के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की रीढ़ है और दिल्ली सरकार इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' संकल्प एक आन्दोलन बना और देश में सहकारिता क्षेत्र मजबूत हुआ। रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सहकारिता से जुड़े लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जब किसान, कारीगर और छोटे उद्यमी सशक्त होंगे, तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के साथ-साथ एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। दिल्ली से सहकारिता उत्पादों की प्रभावी मार्केटिंग का लाभ पूरे देश के किसानों और सहकारिता से जुड़े लोगों को मिलेगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि दिल्ली की हाउसिंग सोसायटीज में मॉडर्न को-ऑपरेटिव स्टोर खोले जाने की योजना है। आने वाले समय में दिल्ली में कई सहकारिता स्टोर खोले जाएंगे, जहां हैंडलूम, हस्तशिल्प, कृषि और ग्रामीण उत्पादों को उचित बाजार मिलेगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म भी विकसित करेगी, जहां सहकारिता से जुड़े लोग पंजीकरण कर अपने उत्पादों की मार्केटिंग कर सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

जाफराबाद में दो भाइयों की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तरपूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में दो भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि उसे सोमवार देर रात एक बजकर 40 मिनट पर गोलीबारी की घटना की सूचना मिली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम को एक व्यक्ति मृत मिला और दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि उनकी पहचान जाफराबाद निवासी 31 वर्षीय फैजल और उसके 33 वर्षीय भाई नदीम के रूप में हुई है। नदीम को जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक अधिकारी ने कहा कि हमने प्राथमिकी दर्ज कर ली और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा घटनाक्रम का पता लगाने में मदद करने के लिए साक्ष्य एकत्रित किए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हमलावर का पता लगाने के लिए कई दल गठित किए हैं और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

23 वर्षीय महिला घर पर मृत मिली, पुलिस को आत्महत्या का संदेह

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रेम नगर इलाके में 23 वर्षीय एक महिला अपने घर में मृत पाई गई। पुलिस को संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतका की पहचान अंजली सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अंजली के पिता विनोद कुमार सिंह (51) ने बताया कि घटना के समय वह और उनकी पत्नी काम पर गए हुए थे, जबकि उनका बेटा और दूसरी बेटी भी घटना के समय घर पर नहीं थे। परिवार के अनुसार, सोमवार को जिस कमरे में अंजली का शव पड़ा मिला, वह अंदर से बंद था। पुलिस ने बताया कि अंजली का शव कमरे में बिस्तर पर मिला। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला कि अंजली ने फंदे से लटक कर कथित तौर पर आत्महत्या की। ऐसा संदेह है कि कपड़े से बनाया गया फंदा अंततः ढीला हो गया होगा या फट गया होगा, जिसके परिणामस्वरूप वह बिस्तर पर गिर गई होगी। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि अंजली इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से पुस्तकालय विज्ञान पाठ्यक्रम की अंतिम वर्ष की छात्रा थी। उन्होंने बताया कि लगभग एक सप्ताह पहले उसकी अंतिम वर्ष की परीक्षा के परिणाम घोषित हुए थे, जिसमें वह असफल रही थी। इसके बाद से वह अवसादग्रस्त थी।

विजय दिवस देश के जांबाज सैनिकों की वीरता, अदम्य साहस और शौर्य का प्रतीकः महापौर

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मंगलवार को विजय दिवस के अवसर पर 1971 के युद्ध में अद्वितीय शौर्य और पराक्रम का प्रदर्शन करने वाले वीर सशस्त्र बलों को नमन किया। उन्होंने विजय दिवस को देश के जांबाज सैनिकों की वीरता, अदम्य साहस और शौर्य का प्रतीक बताया।

महापौर राजा इकबाल सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर वीर सशस्त्र बलों को नमन करते हुए कहा कि विजय दिवस के पावन अवसर पर 1971 के युद्ध में अद्वितीय शौर्य और पराक्रम का प्रदर्शन करने वाले हमारे वीर सशस्त्र बलों को सादर नमन। यह दिन भारतीय सेना के साहस, रणनीतिक क्षमता और बलिदान का प्रतीक है, जिसने राष्ट्र को गौरव और आत्मविश्वास दिया। महापौर ने कहा कि हमारे वीर जवानों की यह ऐतिहासिक विजय सदैव आने वाली पीढ़ियों को देशसेवा और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आज शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए, एक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को दोहराते हैं। उल्लेखनीय है कि विजय दिवस 1971 के भारत-पाक युद्ध में ऐतिहासिक जीत का प्रतीक है, जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान को हराया और बांग्लादेश को स्वतंत्रता दिलाई, जिसमें 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था।

'आप' ने किया थाली-चम्मच बजाकर प्रदर्शन प्रदूषण तुमको जाना पड़ेगा के लगाए नारे

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के खिलाफ आम आदमी पार्टी ('आप') के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में 'आप' के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय के बाहर थाली-चम्मच बजाकर प्रदर्शन किया और नारे लगाये। इस मौके पर 'आप' नेताओं ने 'प्रदूषण तुमको जाना पड़ेगा' के नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान 'आप' के नेताओं को हिरासत में भी ले लिया गया।

प्रदर्शन के दौरान दिल्ली सरकार की आलोचना करते हुए अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने राजधानी में लगातार प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर तत्काल कार्यवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रदूषण को कम करने के लिए कोई ठोस कदम उठाने की जरूरत है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार को चाहिए की वह प्रदूषण को कम करने के लिए कार्य करे न की जनता से झूठे वादे करने की। उन्होंने कहा कि ऐसे ही रहा तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। क्योंकि हमने 'विकास' के नाम पर उनका भविष्य, उनकी सांसें और उनका जीवन, सब कुछ गिरवी रख दिया।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह सिर्फ सरकारों की विफलता नहीं है। यह उस समाज की सामूहिक अपराधबोध से भरी चुप्पी है जो धर्म, जाति, चुनाव और खोखले राष्ट्रवाद पर चीखता रहा। मगर हवा, पानी और जीवन पर मौन साधे रहा। उन्होंने कहा कि इसके समाधान के लिए जल्द ही कार्य नही किया गया तो इसका प्रभाव बहुत ही खतरनाक होगा। इस दौरान विधायक संजीव झा, दिल्ली की पूर्व महापौर महेश खिंची, पार्टी के तमाम पार्षद, नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने थाली बजाकर दिल्ली सरकार को जगाने का प्रयास किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा पूरे राष्ट्र की साझा जिम्मेदारी: संजय सेठ

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। विजय दिवस के अवसर पर 1971 के ऐतिहासिक युद्ध में भारत की निर्णायक विजय को स्मरण करते हुए वेटरन्स इंडिया द्वारा एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में एक भव्य राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लाल जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में संजय सेठ ने कहा कि विजय दिवस भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, अनुशासन और बलिदान का प्रतीक है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सेना की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सैनिकों और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए वन रैंक, वन पेंशन जैसी योजनाओं का उल्लेख किया और 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ आत्मनिर्भर और एकजुट भारत का आह्वान किया। राम लाल जी ने भी 1971 के युद्ध में सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक भूमिका को नमन करते हुए कहा कि विजय दिवस प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रसेवा और त्याग की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सेवा, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्राइड ऑफ नेशन अवॉर्ड्स 2025' प्रदान किए गए।

बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं और समाज के विभिन्न वर्गों की उपस्थिति ने इस आयोजन को राष्ट्रीय एकता और नागरिक सहभागिता का सशक्त मंच बना दिया।

एनडीएमसी ने प्रोजेक्ट सॉर्ट से विकेंद्रीकृत कूड़ा प्रबंधन को दी मजबूती

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अध्यक्ष श्री केशव चंद्रा के नेतृत्व में सतत और विकेंद्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में प्रोजेक्ट सॉर्ट (रीसाइक्लिंग और ट्रीटमेंट के लिए कचरे को अलग करना) को अपने पूरे क्षेत्र मंक प्रभावी रूप से लागू किया है। यह परियोजना मदरसन ग्रुप की सीएसआर पहल है, जिसे स्वर्ण लता मदरसन ट्रस्ट का सहयोग प्राप्त है और इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) के साथ मिलकर इसे आवासीय सोसायटी, शैक्षणिक संस्थानों, कमर्शियल मार्केट और कम्युनिटी कूड़ा प्रोसेसिंग केंद्रों में लागू किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय 'डिजिटल अरेस्ट' ठगी गिरोह का पर्दाफाश, मास्टरमाइंड समेत 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस की शाहीन बाग थाना टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय एक बड़े डिजिटल ठगी व उगाही गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के मास्टरमाइंड समेत 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपितों के खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 66 शिकायतें दर्ज हैं और करीब 50 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का लेन-देन इनसे जुड़ा हुआ है। गिरोह के दो अन्य सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस ने इस कार्रवाई के तहत दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र (मुंबई), ओडिशा, पंजाब, उप्र और हरियाणा सहित सात राज्यों में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान एक आरोपी को मुंबई एयरपोर्ट से उस वक्त

गिरफ्तार किया गया, जब वह दुबई भागने की फिराक में था। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि सात दिसंबर को शाहीन बाग निवासी तनबीर अहमद ने शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि उसे व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए धमकाया गया। कॉल करने वालों ने खुद को कर्नाटक पुलिस अधिकारी बताया और कहा कि उसका आधार नंबर व मोबाइल नंबर गंभीर अपराधों में इस्तेमाल हुआ है। गिरफ्तारी के डर से पीड़ित ने 99,888 रुपये ठगों के बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए। इस शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना शाहीन बाग में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने वित्तीय लेन-देन, तकनीकी सुराग और डिजिटल ट्रेल का गहन विश्लेषण किया। लगातार तकनीकी निगरानी और फील्ड इनपुट के आधार पर आरोपितों की लोकेशन ट्रैक की गई। दिल्ली, उप्र, केरल, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान और ओडिशा में फैले नेटवर्क को खंगालते हुए पुलिस ने रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट जैसे अहम स्थानों पर दबिश देकर आरोपितों को दबोच लिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार अब तक गिरोह के 10 मुख्य सदस्यों को पकड़ा गया है।

इनमें म्यूल अकाउंट होल्डर, फसिलिटेटर, सिम एक्टिवेशन और फंड हैंडलर शामिल हैं। पकड़ा गया धर्मेंद्र चौहान म्यूल अकाउंट जुटाने और ठगी की रकम निकालने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। वहीं सोमवीर सैनी गिरोह को वाहन और म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने का काम करता था। जबकि मो. एहतेशामुल हक मुख्य समन्वयक, म्यूल अकाउंट के जरिए रकम घुमाने और कैश हैंडओवर में शामिल था। इसी क्रम में संतोष कुमार खंडाई अवैध सिम एक्टिवेशन और व्हाट्सऐप अकाउंट की मदद करता था। इसके अलावा मुहम्मद बुगारी ठगी की रकम हैंडल करने वाला अहम सदस्य था। इसके खातों पर एनसीआरपी में कई शिकायतें दर्ज। वहीं मुहम्मद शाहिद डेबिट कार्ड और संचार व्यवस्था का संचालन करता था।

पुलिस के अनुसार, कई आरोपित पहले भी साइबर ठगी के मामलों में शामिल रह चुके हैं, जिससे साफ है कि यह एक संगठित और अनुभवी साइबर अपराध नेटवर्क है। जांच में सामने आया कि आरोपित 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों को डराते थे। खुद को पुलिस, सीबीआई या अन्य एजेंसी का अधिकारी बताकर व्हाट्सऐप वीडियो कॉल करते, फर्जी केस दिखाते और आधार/मोबाइल नंबर के दुरुपयोग का हवाला देकर पैसे ट्रांसफर करवा लेते थे।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 10 मोबाइल फोन, 2 डेबिट कार्ड (जिसमें पीड़ित की रकम वाला कार्ड भी शामिल), 10 अन्य डेबिट/क्रेडिट कार्ड, कई आरोपितों के नाम से जारी डेबिट कार्ड, व्हाट्सऐप चैट, वॉयस नोट्स, बैंक ट्रांजेक्शन और अन्य डिजिटल सबूत और एक बलेनो कार बरामद की है। वहीं आरोपितों की सहायता करने वाले आरोपितों की पहचान नितेश कुमार, देव और महेश्वर पुंटिया के रूप में हुई है।

पुलिस की जनता से अपील

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने जनता से अपील की है कि 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी किसी भी कॉल से सावधान रहें। कानून में ऑनलाइन गिरफ्तारी का कोई प्रावधान नहीं है। पुलिस कभी भी व्हाट्सऐप या वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी की धमकी नहीं देती। किसी भी तरह की कॉल पर घबराएं नहीं, तुरंत कॉल काटें। इसके अलावा ओटीपी, बैंक डिटेल या दस्तावेज साझा न करें। वहीं ऐसी किसी भी घटना का शिकार हो तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन या www.cybercrime.gov.in पर तुरंत सूचना दें। पुलिस का कहना है कि जागरूकता ही साइबर अपराध के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है।.

संपादकीय

डिजिटल अरेस्ट

यह विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करे, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर की सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन-देन की गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार,कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों-टुकड़ों में जांच सीमा-पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है। दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले-भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी या जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें आतंकित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये की ठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं। तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है।

आस्ट्रेलिया पर आतंकी हमला

-डा. अश्विनी महाजन-

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इस हमले के बाद फिलीस्तीन में किए जा रहे अपने आक्रमण को न्यायोचित ठहराने का मौका मिल गया है। हालांकि नेतन्याहू इस तथ्य को अनदेखा कर रहे हैं कि गज़ा में मासूमों की जान लेने की कीमत दुनिया भर में उन यहूदियों को चुकानी पड़ रही है, जो शांति से अपना जीवन गुजार रहे हैं। दुनिया के कई देशों में यहूदियों और मुस्लिमों के बीच संदेह बढ़ने का माहौल बन रहा है। लेकिन ये संदेह इस तरह आतंकी हमले की शक्ल में मासूमों की जान लेगा, यह अनुमान नहीं था। नेतन्याहू ने इस हमले पर अब ऑस्ट्रेलिया की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया की नीतियां 'यहूदी-विरोधी आग में घी डालने' का काम कर रही हैं। नेतन्याहू ने कहा कि यहूदी-विरोध एक कैंसर है, जो तब फैलता है जब नेता चुप रहते हैं। कुछ महीने पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था कि उनकी नीति, यहूदी-विरोधी आग में घी डालती है, यह आपकी सड़कों पर यहूदियों के प्रति नफ़रत को बढ़ावा देती है। यहूदी-विरोधियों के ख़िलाफ़ मौजूदा कमज़ोर रुख़ के बजाय उनसे ताक़त से निपटना होगा। आज ऑस्ट्रेलिया में ऐसा नहीं हुआ।

आस्ट्रेलिया में हुए भयावह आतंकी हमले से एक बार फिर दुनिया सन्न रह गई है। सिडनी के बोंडी बीच पर रविवार को यहूदी पर्व हनुक्का के दौरान दो आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बोंडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई 'इम्प्रोवाइज़्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी।

गनीमत यह रही कि आतंकियों का मंसूबा पूरा नहीं हुआ। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है।

यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविक तौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस

ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया 'आतंकवादी हमला' करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इस हमले के बाद फिलीस्तीन में किए जा रहे अपने आक्रमण को न्यायोचित ठहराने का मौका मिल गया है। हालांकि नेतन्याहू इस तथ्य को अनदेखा कर रहे हैं कि गज़ा में मासूमों की जान लेने की कीमत दुनिया भर में उन यहूदियों को चुकानी पड़ रही है, जो शांति से अपना जीवन गुजार रहे हैं। दुनिया के कई देशों में यहूदियों और मुस्लिमों के बीच संदेह बढ़ने का माहौल बन रहा है। लेकिन ये संदेह इस तरह आतंकी हमले की शक्ल में मासूमों की जान लेगा, यह अनुमान नहीं था। नेतन्याहू ने इस हमले पर अब ऑस्ट्रेलिया की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया की नीतियां 'यहूदी-विरोधी आग में घी डालने' का काम कर रही हैं। नेतन्याहू ने कहा कि यहूदी-विरोध एक कैंसर है, जो तब फैलता है जब नेता चुप रहते हैं। कुछ महीने पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था कि उनकी नीति, यहूदी-विरोधी आग में घी डालती है, यह आपकी सड़कों पर यहूदियों के प्रति नफ़रत को बढ़ावा देती है। यहूदी-विरोधियों के ख़िलाफ़ मौजूदा कमज़ोर रुख़ के बजाय उनसे ताक़त से निपटना होगा। आज ऑस्ट्रेलिया में ऐसा नहीं हुआ।

इसी तरह इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हरज़ोग ने इस हमले को 'क्रूर' बताते हुए कहा कि हमने बार-बार ऑस्ट्रेलियाई सरकार से कार्रवाई करने और ऑस्ट्रेलियाई समाज को जकड़ रही यहूदी-विरोधी भावना की लहर से लड़ने की अपील की है। बता दें कि बीते एक साल में ऑस्ट्रेलिया में 1,600 से ज़्यादा यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें दर्जनों हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं, और सैकड़ों अन्य अपमानजनक या धमकी भरे मामले शामिल हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया सरकार ने विरोध की इस बढ़ती प्रवृत्ति पर गौर किया होता तो शायद कई मासूम जानें बच सकती थीं।

ऑस्ट्रेलिया पर आतंकी हमले के बाद फिर से इस्लामिक आतंकवाद की चर्चा शुरू हो गई है। जो सिरे से गलत है। आतंकवाद को जब तक धर्म के चश्मे से देखा जाता रहेगा, उसकी जड़ तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इस हमले पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वह 'हिंसा और आतंकवाद के सभी रूपों' को खारिज करता है। वहीं मुस्लिम वर्ल्ड लीग ने भी सिडनी में हुए इस हमले की निंदा की है। इस्लामी संगठन ने कहा कि मुस्लिम लोग 'आतंकवाद और हिंसा के सभी रूपों को खारिज करते हैं। सिडनी हमले के आतंकवादियों की पहचान मुसलमान के तौर पर करने वाले यह भी देखें कि इसी हमले में अपनी जान की बाजी लगाकर एक और मुसलमान ने कई लोगों की जान भी बचाई है। जिस समय आतंकवादी गोलियां चलाए जा रहे थे, उस समय 43 साल के अहमद अल अहमद ने एक आतंकी को पीछे से पकड़कर उससे बंदूक छीन ली। इस घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक पेड़ के नीचे खड़े होकर एक आतंकी गोलियां चला रहा था, उस समय कारों के पीछे से निकल कर अहमद बंदूकधारी की ओर दौड़ते हैं, उससे हथियार छीन लेते हैं और फिर बंदूक उसकी तरफ़ घुमा देते हैं, जिससे हमलावर पीछे हटने पर मजबूर हो जाता है। वह पुल की तरफ बढ़ता है, इसके बाद अहमद बंदूक नीचे कर देते हैं और अपना एक हाथ हवा में उठा कर हिलाते हैं, मानो पुलिस को संदेश दे रहे हों कि वह पुलिस को दिखाना चाहते हैं कि वह हमलावरों में से नहीं हैं।

कोई फिल्मी दृश्य होता तो अहमद हमलावर से छीनी हुई बंदूक से ही उसे मार देते, लेकिन आम इंसान के लिए इस तरह किसी की जान लेना संभव नहीं होता है। अहमद ने दिलेरी दिखाते हुए बंदूक छीनी और आतंकी को पीछे हटने पर मजबूर किया, इस तरह उन्होंने बहुत से लोगों की जान बचा ली। हालांकि बाद में वही हमलावर पुल पर एक और हथियार उठाते हुए और दोबारा फ़ायरिंग करते हुए दिखाई देता है, उसका साथी भी उसी समय फायरिंग करता है। इस घटना में अहमद को भी हाथ में दो जगह गोलियां लगी हैं और अभी उनका इलाज चल रहा है।

अहमद दो बच्चों के पिता हैं और वो एक फल की दुकान चलाते हैं। उनकी बहादुरी की दुनिया भर में सराहना हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने भी उन्हें असली हीरो बताया है। अहमद ने जिस तरह आतंकी से बंदूक छीनी, उससे मुंबई हमले में अजमल कसाब को जिंदा पकड़ने वाले पुलिसकर्मी तुकाराम ओंबले की याद ताजा हो गई। जिन्होंने कसाब को पकड़ा, लेकिन खुद शहीद हो गए।

सोशल मीडिया से बचपन बचाने की चुनौती

-डॉ. देवेन्द्र नाथ तिवारी-

यह फैसला किसी सामान्य नीति-बहस से नहीं, बल्कि दर्दनाक घटनाओं की श्रृंखला से निकला। इस साल की शुरुआत में 14 वर्षीय ओली बेनिस्टर ने आत्महत्या कर ली। टिकटॉक पर 'परफेक्ट बॉडी' के वीडियो देख देखकर उसे अपने ही शरीर से नफ़रत होने लगी थी। खाने से डर। शरीर से घृणा। सोशल मीडिया पर लगातार मिलने वाले अपमान ने उसे निगल लिया। 'स्नैपचैट' पर उसके लाल बालों का मज़ाक उड़ाने वालों में शायद किसी ने सोचा भी न होगा कि एल्गोरिद्म किस हद तक मनोवैज्ञानिक दबाव बना सकता है? ओली की मौत पर पूरी ऑस्ट्रेलिया द्रवित हुई। नई बहस शुरु हुई। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने सोशल मीडिया प्रतिबंध का जब ऐलान किया, तो मंच पर ओली की मां मिया बेनिस्टर उनके साथ थीं। उन्होंने कहा कि अब परिवार कंट्रोल वापस ले रहे हैं। यह सामूहिक अपराधबोध की स्वीकृति है। अब आधुनिक समाज मान रहा है। बच्चों की परवरिश का ठेका उसने चुपचाप बाजार और स्क्रीन को सौंप दिया था।

ऑस्ट्रेलिया की सरकारी रिपोर्ट बताती है कि 10 से 15 वर्ष के 96 प्रतिशत बच्चे किसी न किसी सोशल प्लेटफ़ॉर्म पर हैं। उनमें से अधिकांश ने हिंसा, नफ़रत, शारीरिक हीनता और आत्महत्या को बढ़ावा देने वाला कंटेंट देखा है। लगभग हर दूसरे बच्चे ने 'साइबर बुलिंग' झेली है। हर सातवां बच्चा 'ग्रूमिंग' का शिकार हुआ है। जहां कोई वयस्क ऑनलाइन मीठी बातों में फंसाकर बच्चों से शोषण की कोशिश करता है।

ये आंकड़े सिर्फ़ डेटा नहीं, बल्कि उस अदृश्य रुदन की आवाज़ हैं, जिनमें एक पूरी पीढ़ी रात के सन्नाटे में मोबाइल की रोशनी के नीचे अकेली पड़ती जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि सोशल मीडिया ने किशोरों की भावनात्मक सेहत को गहरी चोट दी है। उनका ध्यान भटक रहा है। क्रोध-गुस्सा बढ़ रहा है। तुलना की बीमारी हर रिश्ते को निगल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि शायद यह बैन बच्चों का बचपन लौटा सके। घरों में संवाद फिर से शुरु हो। पर मनोचिकित्सक चेता रहे हैं। यह प्रतिबंध तभी कारगर होगा जब इसके साथ भावनात्मक सहारा और संवाद भी जोड़ा जाए, वरना यह झटका बच्चों को और भीतर से तोड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलिया का यह कानून ख़ास है। क्योंकि यह सीधे बच्चों पर नहीं, बल्कि कंपनियों पर जिम्मेदारी डालता है। 'फेसबुक', 'इंस्टाग्राम', 'टिकटॉक', 'एक्स' और 'यूट्यूब' जैसे प्लेटफॉर्म अब 16 से कम उम्र वालों के अकाउंट बंद करेंगे। नए अकाउंट बनने नहीं देंगे। यदि वे ऐसा करने में विफल रहे, तो उन्हें 4.95 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। लेकिन असल चुनौती है, आयु की जांच कैसे हो? टेक कंपनियां, 'वॉटरफॉल सिस्टम' अपनाने के बारे में सोच रही हैं। जहां एआई सेल्फ़ी का विश्लेषण कर चेहरे से उम्र का अनुमान लगाएगी। ज़रूरत पड़ने पर सरकारी आईडी या बैंक डाटा से पहचान की पुष्टि करेगी। निजता के पक्षधर इसे 'हनीपॉट' खतरा बता रहे हैं। एक ऐसा डेटा-भंडार, जो पूरी आबादी को स्थायी निगरानी के जाल में फंसा सकता है। बच्चों को बचाते-बचाते हम नागरिक स्वतंत्रता की नई कब्र न खोद दें, यह आशंका बेबुनियाद नहीं है।

दरअसल ऑस्ट्रेलियाई मानवाधिकार आयोग और मानसिक स्वास्थ्य संस्थाएं कह रही हैं कि यह कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रहार है। दो किशोरों ने तो सरकार के खिलाफ मुकदमा भी दायर किया है। उनका तर्क है कि सोशल मीडिया सिर्फ मनोरंजन नहीं, आत्म-अभिव्यक्ति और सामाजिक जुड़ाव का माध्यम भी है। खासकर एलजीबीटीक्यू समुदाय के युवाओं या दूरदराज इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए, जिनके पास जुड़ने का यही एक जरिया है। सरकारी सर्वे में भी एक दिलचस्प तथ्य सामने आया। तीन-चौथाई बच्चों ने कहा कि वे किसी भी हाल में सोशल मीडिया नहीं छोड़ेंगे। कई बच्चों ने वैकल्पिक ऐप्स ढूंढना शुरू कर दिया है, जो प्रतिबंध की सूची में नहीं हैं। संकेत स्पष्ट है। यदि समाज बच्चों को विश्वास और संवाद के बजाय केवल निगरानी और दंड से नियंत्रित करना चाहेगा, तो बच्चे रास्ता बदलेंगे, मंज़िल नहीं।

ऑस्ट्रेलिया अकेला नहीं है। ब्रिटेन का 'ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट' हानिकारक कंटेंट हटाने पर केंद्रित है। पर, उम्र सीमा तय नहीं करता। फ्रांस ने 15 वर्ष से कम बच्चों के लिए माता-पिता की अनुमति अनिवार्य की है। जर्मनी में 13-16 वर्ष के बीच के बच्चों को अभिभावक की मंजूरी जरूरी है। जबकि इटली में यह सीमा 14 वर्ष है। यूरोपीय संघ एक समान 16 वर्ष की डिजिटल उम्र तय करने की दिशा में बढ़ रहा है। एशिया में चीन पहले ही 'माइनर मोड' लागू कर चुका है, जो स्क्रीन टाइम सीमित करता है। मलेशिया भी इसी दिशा में बढ़ रहा है। अमेरिका में फ्लोरिडा और यूटा जैसे राज्यों के क़ानून अदालतों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम सुरक्षा के प्रश्न पर अटके हैं। हर देश की दुविधा एक ही है। किसी भी अति से बचते हुए किशोरों के हित की रक्षा कैसे की जाए?

भारत के सामने परिदृश्य अलग है। यहां 40 करोड़ से अधिक बच्चे हैं। सोशल मीडिया मनोरंजन के साथ-साथ रोज़गार और पहचान का साधन भी बन चुका है। छोटे शहरों और कस्बों का 'क्रिएटर इकोनॉमी' उसी स्क्रीन से खड़ा हुआ है, जिसने दुनिया को भारत की नया डिजिटल सामर्थ्य दिखाया। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया जैसी सख़्ती यहां असंभव लगती है। फिलहाल भारत डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन सुरक्षा और मीडिया शिक्षा पर ज़ोर दे रहा है। यानी बच्चों को 'डर से नहीं, समझ से' सुरक्षित बनाने का रास्ता अपना रहा है। यही लोकतांत्रिक तरीका है। सरकार, परिवार, स्कूल और कंपनियां साझा ज़िम्मेदारी निभाएं, न कि एक-दूसरे पर दोष डालें।

ऑस्ट्रेलिया में प्रतिबंध लागू होने से पहले किशोरों ने अपने आख़िरी पोस्ट में लिखा, "अब हम दूसरी दुनिया में मिलेंगे"। किसी ने प्रधानमंत्री को अनफ़ॉलो करते हुए लिखा, "हम वापस आएंगे, जब वोट देने की उम्र होगी"। यह केवल किशोरों की जिद नहीं, लोकतंत्र की नई पीढ़ी की प्रतिक्रिया है, जो यह समझ रही है कि उसकी डिजिटल ज़िंदगी पर निर्णय कोई और ले रहा है। दरअसल समस्या सोशल मीडिया नहीं, वह समाज है जिसने बच्चों के लिए घर से बड़ा वर्चुअल घर बना दिया। स्क्रीन का घर। जहां कोई जिम्मेदार नहीं, केवल मुनाफ़ाखोर बाज़ार है। बैन कुछ बच्चों की जान बचा सकता है, परिवारों को संवाद का अवसर दे सकता है। पर असली समाधान वहीं से शुरू होगा, जहां माता-पिता मोबाइल छीनने से पहले अपने बच्चे का हाथ थामें। सरकार निगरानी से पहले शिक्षा को मज़बूत करे। कंपनियां व्यसनी डिज़ाइन से जिम्मेदार तकनीक की ओर लौटें।

स्वर्ग नहीं, मोक्ष हो काम्य

जब भी किसी पुण्यात्मा की मृत्यु होती है तो हमारे मुख से निकलता है कि इसको जरूर स्वर्ग की प्राप्ति हुई होगी। इस विषय में महर्षि व्यास द्वारा बोले और प्रथम पूज्य गणेश जी द्वारा लिखी गई महाभारत में इसका विस्तार से वर्णन है। कुरुक्षेत्र में रहने वाले मुद्गल ऋषि की दुर्वासा मुनि द्वारा जब परीक्षा ली गई और मुद्गल ऋषि परीक्षा में खरे उतरे तो एक देवदूत उन्हें स्वर्ग ले जाने के लिए विमान सहित उतरा। तब यही प्रश्न पूछा गया। देवदूत ने कहा-स्वर्ग यहां से बहुत ऊपर का लोक है, जिसे स्वर्गलोक भी कहते हैं। असत्यवादी, नास्तिक और जो तप, दान, यज्ञ नहीं करता, यहां प्रवेश नहीं कर सकता। धर्मात्मा, जितेंद्रिय, शम-दम से संपन्न, द्वेषरहित, दानी, युद्ध में मारे गए शूरवीरों को ही यहां प्रवेश मिलता है। देवता, साध्य, विश्वेदेव, महर्षि याम, धाम, गन्धर्व और अप्सरा-इन सबके अलग-अलग लोक हैं। यहां इच्छानुसार भोग उपलब्ध है। सोने का पर्वत सुमेरूगिरि है। यहां किसी को भूख-प्यास नहीं लगती, उदासी नहीं आती मन में, पसीना नहीं निकलता, गर्मी और जाड़ा नहीं होता, कष्ट और भय नहीं होता। विलाप और अशुभ वस्तु नहीं होती। बुढ़ापा और थकावट नहीं होती। दुर्गंध नहीं आती और मल-मूत्र भी नहीं निकलता। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि स्वर्गवासियों के शरीर में तैजस तत्त्व की प्रधानता होती है। कपड़े मैले नहीं होते। दिव्य कुसुमों की मालाएं दिव्य सुगंध फैलाती रहती हैं। स्वर्ग के दोष में सबसे बड़ा दोष यह है कि यहां नया कर्म नहीं किया जाता। स्वर्ग का भोग अपनी मूल पूंजी गंवा कर ही प्राप्त होता है। जिस दिन पुण्य समाप्त होता है, उस दिन स्वर्ग में रहने वाले के गले की माला कुम्हला जाती है। यही स्वर्ग से गिरने की सूचना है। यह देखते ही भयवश विचार आता है कि अब गिरा, अब गिरा। उन पर रजोगुण का प्रभाव पड़ता है। स्वर्ग से जब कोई गिरने लगता है तो उसकी चेतना लुप्त हो जाती है, सुध-बुध नहीं रहती। यह सुन कर मुद्गल ऋषि ने कहा-मेरा आपको प्रणाम है। स्वर्ग में तो भारी दोष है। मुझे स्वर्ग और उसके सुख से कोई काम नहीं है। मैं तो वहां जाऊंगा, जहां व्यथा और शोक से पिंड छूट जाए। शास्त्रों में इसीलिए कहा गया है किसी सिद्धि के और स्वर्ग में रुचि न लें। केवल मोक्ष पर ध्यान दें।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1583 - बवेरिया के अर्नेस्ट के तहत कोलोन युद्ध-सेनाओं ने गोड्सबर्ग की घेराबंदी पर सैनिकों के गैबर्ड ट्रूचेस वॉन वाल्डबर्ग को हराया।
1718 - रोमन साम्राज्य, ग्रेट ब्रिटेन और डच गणराज्य का साम्राज्य फ्रांस ने औपचारिक रूप से स्पेन के युद्ध की घोषणा में फ्रांस में शामिल हो गया, चौगुनी गठबंधन युद्ध शुरू किया गया।
1777 - फ्रांस ने अमेरिका में ब्रिटिश उपनिवेशों की आजादी को मान्यता दी।
1790 - एज़्टेक कैलेंडर पत्थर , जो अब आधुनिक संगीत संस्कृति का प्रतीक है, जो ज़ालको, मैक्सिको सिटी के मुख्य भाग में खुदाई की गई थी।
1790 - एज़्टेक कैलेंडर पत्थर, जो अब मेक्सिकोसंकल्चर का एक आधुनिक प्रतीक है, की खुदाई मैक्सिको सिटी के मुख्य चौक ज़्लोको में की गई थी।
1797 - नेपोलियन ने टॉलन को सुरक्षित करने के लिए फोर्ट एल'एइगुइललेट के खिलाफ एक सफल फ्रेंच चार्ज किया।
1819 - दक्षिण अमेरिका में ग्रैन कोलम्बिया गणराज्य की स्थापना की गई, जिसके पहले अध्यक्ष के रूप में सिमोन बोलीवर थे।
1891 - ड्रेक्सेल विश्वविद्यालय फिलाडेल्फिया में कला, विज्ञान और उद्योग के ड्रेक्सेल संस्थान के रूप में उद्घाटन किया गया।
1903 - किट्टी हॉक में, नॉर्थ कैरोलिना, ओरविल और राइट फ्लायर में विल्बर राइट ने एक पक्के फिक्स्ड विंग विमान की पहली सफल उड़ान का संचालन किया।
1903 - राइट बंधुओं ने 'द फ्लायर' नामक विमान पहली बार उड़ाया था। 12 सेकेंड की इस उड़ान ने दुनिया में क्रांति ला दी थी।
1907 - उग्येन वांगचुक भूटान के पहले वंशानुगत राजा बने।
1918 - लगभग 1,000 प्रदर्शनकारियों ने गवर्नमेंट हाउस इनडर्विन, ऑस्ट्रेलिया में मार्च किया, जहां उन्होंने प्रशासक जॉनगिलरथ का पुतला जलाया और उनके इस्तीफे की मांग की।
1938 - जर्मन रसायनशास्त्री ओटो हान ने यूरेनियम के नाभिकीय विखंडन की खोज की।

मानसिकता और कार्यक्षमता को प्रभावित करती वर्चुअल मीटिंग्स

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

डिजिटल क्रांति ने कार्य दिवस के परंपरागत समय सीमा को बदल कर रख दिया है। कहने को तो छह या सात घंटे का कार्य दिवस होता है पर वर्चुअल युग में कर्मचारी 24 गुणा 7 के दौर में आ गया है। इससे कार्मिकों की मानसिकता और सामाजिक-इकोनॉमिक ताने-बाने को भी प्रभावित किया है। एक समय था जब शीर्ष या पहली दूसरी कतार के अधिकारियों की जिम्मेदारी अधिक होती थी और उनके लिए समय सीमा नहीं होती थी पर अब तो वर्चुअल सुविधाओं के चलते दिन हो या रात, रविवार हो या शनिवार कभी भी कहीं भी एक मैसेज मात्र से आपको एक्टिव होकर कैमरे के सामने आना पड़ता है।

दरअसल, कोरोना काल ने यह परिवर्तन दिया है। भारत सहित दुनिया के देशों में अभी भी कार्मिकों के लिए कार्य दिवस पांच या छह दिवस के हैं तो कार्यसमय भी मानने को तो सुबह 9.30 से सायं बजे 6 या दूसरे शब्दों में औसतन लगभग सात घंटे का है पर डिजिटल क्रान्ति ने सबकुछ बदल कर रख दिया है। देखा जाए तो अब असीमित कार्य दिवस का दौर आ गया है। वास्तविकता तो यह है कि डिजिटल डिवाइसों के उपयोग के बाद से कमोबेश कार्यदिवस 24 गुणा 7 हो गये हैं तो कार्य समय भी तय समय सीमा के बंधन से मुक्त हो गया है। माइक्रोसॉफ्ट द्वारा कराये गये

वर्क ट्रेंड इंडेक्स स्पेशल रिपोर्ट 2025 में यह खुलासा हो गया है कि अब कार्मिक चाहे वह किसी भी स्तर का हो, उसके लिए चाहे निजी क्षेत्र में हो या सरकारी क्षेत्र में तय समय सीमा बीते जमाने की बात हो गई है। ई-मेल, चैट, वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स, सोशल मीडिया संदेश आदि को समग्र रुप से देखने से अब कार्मिक 24 घंटे का कार्मिक हो गया है। वर्क ट्रेंड इंडेक्स स्पेशल रिपोर्ट के अनुसार सुबह छह बजे से ही व्यक्ति अपनी ई-मेल टटोलने लगता है तो सर्वाधिक प्रोडक्टिविटि का समय 11 बजे के लगभग में काम के स्थान पर ई-मेल का प्रेशर 54 प्रतिशत तक बढ़ जाता है सायं तीन बजे बाद ई-मेल, चैट या अन्य संदेशों की आवक कम होने लगती है। वैश्विक औसत की बात की जाये तो 100 से अधिक ई-मेल से दो-चार होना पड़ता है कार्मिक को। हर दो मिनट में मेल, चैट या अन्य संदेश कार्मिक के कार्य में बाधा उत्पन्न करता है। इसका कारण यह होता है कि उसे कॉल, ई-मेल या संदेश चेक करने या उससे दो-चार होना ही पड़ता है।

हालात यह है कि रात को भी ई-मेल या संदेश का सिलसिला जारी रहने से अब कार्यालयीय वातावरण से दूर परिवार के व्यैयक्तिक क्षण तो कल्पना की बात होती जा रही है। डिजिटल क्रांति के चलते मीटिंग्स खासतौर से वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स सुविधाजनक होने के साथ ही कार्मिकों के तनाव का कारण भी बनती जा रही है। हालांकि वैश्विक ट्रेंड के अनुसार मंगलवार को सर्वाधिक मीटिंग्स होती है इनमें खासतौर से एडहॉक मीटिंग्स अधिक होती है तो शुक्रवार को अपेक्षाकृत मीटिंग्स का दबाव कम होता है। सबसे खास बात यह कि औसतन 10 में से एक मिटिंग तो बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक तय होती है। एक और खास यह कि वर्चुअल मीटिंग्स सुविधाजनक होने और अपना संदेश संबंधित सभी तक पहुंचाने का बेहतरीन माध्यम होने के बावजूद यह तनाव का कारण तो बनता ही है इसके साथ ही गुणवत्ता पर भी प्रश्न लगाये जाने लगे हैं। इसको इस तरह से समझा जा सकता है कि दस में से एक मीटिंग लास्ट टाइम बुक की जाती है तो मीटिंग्स में प्रस्तुत होने वाले पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन में मीटिंग के दस मिनट पहले तक आंशिक बदलाव या अपडेशन होता है। यह कोई किसी एक पक्ष यानी सरकारी या गैर सरकारी प्रतिष्ठान की बात या किसी देश विशेष की बात ना होकर वैश्विक वास्तविकता है। विशेषज्ञों की मानें तो अंतिम समय तक प्रजेंटेशन में बदलाव का मतलब ही यह है कि गुणवत्ता कहीं ना कही प्रभावित हो रही है। वैश्विक आंकड़े तो यही कहते हैं कि अंतिम समय में पीपीटी में अपडेशन या संशोधन में 122 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। वर्चुअल मीटिंग का सिलसिला दरअसल कोरोना महामारी के दौर से अधिक सामने आया है और इसे समय और धन बचाने में सहायक माना जाता है पर मीटिंग्स के दौर जिस तरह से बढ़ने लगे हैं उससे कार्मिक सूचनाएं संग्रहित करने और उसमें अपने बचाव के उपाय खोजने में ही अपनी अधिकांश कार्यक्षमता व्यय कर देता है और परिणाम स्वरुप कार्य में गुणवत्ता और उत्पादकता में कमी आना स्वाभाविक माना जाने लगा है।

माइक्रोसॉफ्ट की हालिया रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि डिजिटल युग को देखते हुए अब कार्मिकों के कार्यदिवस को नए सिरे से री-डिजाइन करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। इसका प्रमुख कारण कार्मिकों शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ना और सामाजिकता और वैयक्तितता पर विपरीत प्रभाव पड़ना प्रमुख हो जाता है। समय-बेसमय मोबाइल या इसी तरह की डिवाइस पर अंगुलियां चलाने से प्रभावित हो रहे हैं। काम का दबाव, सूचनाओं के संग्रहण में ही समय जाया होने, वर्चुअल मीटिंग्स में सार्वजनिक रुप से जलालत की संभावना, आंखों में सूखापन और सामाजिक व व्यक्तिगत संबंध बाधित होना आम होता जा रहा है। इसका साइड इफेक्ट संत्रास, कुंठा, तनाव, डिप्रेशन आदि के रुप में सामने आने लगा है। इसके समाधान के लिए हालांकि विशेषज्ञों ने फ्रंटियर फर्म की आवश्यकता प्रतिपादित की है। इसमें आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के माध्यम से विश्लेषण की बात की जाने लगी है। पर समय की मांग और आवश्यकता यह महसूस की जाने लगी है कि वर्क कल्चर को रिडिजाइन किया जाएं। अन्यथा देर-सबेर इसके नकारात्मक प्रभावों से बचना मुश्किल हो जाएगा।

दरअसल, यह अपने आपमें गंभीर समस्या हो गई है। इसका समाधान हर स्तर पर खोजना होगा। यह कोई कार्यालयीय समस्या, सामाजिक समस्या, मनोवैज्ञानिक समस्या या शारीरिक मानसिक समस्या ना होकर पूरे ताने-बाने को ही प्रभावित करने वाली समस्या है। ऐसे में विशेषज्ञों, गैर-सरकारी संगठनों, मनोविज्ञानियों के साथ ही मानव संसाधन विशेषज्ञों और नियोक्ताओं को भी इस समस्या का समाधान खोजना होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

विजय दिवस: 1971 युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि

युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह में शामिल हुए रक्षा मंत्री रजानाथ सिंह

नई दिल्ली। 1971 के भारत पाक युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की जीत की याद में आयोजित 54वें विजय दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह का कार्यक्रम हुआ।

इस आयोजन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , सीडीएस प्रमुख जनरल अनिल चौहान, सीओएएस जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी मौजूद थे। इस मौके पर तेलंगाना के सिकंदराबाद में एसपी रोड पर आर्मी परेड ग्राउंड में स्थित वीरूला सैनिक स्मारक पर भी पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया।

1971 के युद्ध में भारत के वीरजवानों ने पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश को आजाद कराया था। इसे देश विजय दिवस के रूप में मनाता है। राजनाथ सिंह ने सीडीएस प्रमुख, सीओएएस जनरल, वायु सेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख के साथ मिलकर युद्ध में लड़ने वाले उन साहसी सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि दी। सिकंदराबाद के विजय दिवस समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। भारतीय सेना की पूर्वी कमान ने कहा कि 1971 का युद्ध उस समय खत्म हुआ जब पूरी तरह से पराजित लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी, पाकिस्तानी सेना की पूर्वी कमान के कमांडर, ने 16 दिसंबर को आत्मसमर्पण कर दिया और आत्मसमर्पण पत्र पर हस्ताक्षर किए और एक नए राष्ट्र ₹बांग्लादेश₹ का जन्म हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को याद किया और उनकी राष्ट्रवाद की भावना और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा ₹विजय दिवस पर, हम उन वीर सैनिकों को याद करते हैं जिनके साहस और बलिदान ने 1971 में भारत को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ सेवा ने हमारे राष्ट्र की रक्षा की और हमारे इतिहास में गौरव का एक क्षण अंकित किया। यह दिन उनकी वीरता को सलाम और उनकी अद्वितीय भावना की याद दिलाता है। उनकी वीरता भारतीय पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

हार के बाद पाकिस्तान पूर्वी कमान ने बांग्लादेश में तैनात सभी पाकिस्तानी सशस्त्र बलों को पूर्वी मोर्चे पर भारत और बांग्लादेश बलों के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट-जनरल जगजीत सिंह अरोरा के सामने आत्मसमर्पण करने पर सहमति व्यक्त की। पाकिस्तानी थल, वायु और नौसेना बलों के साथ-साथ सभी अर्धसैनिक और नागरिक सशस्त्र बलों को हथियार डालने के कहा गया। आत्मसमर्पण का अर्थ यह भी था कि हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद पाकिस्तान पूर्वी कमान लेफ्टिनेंट-जनरल अरोरा के आदेशों के अधीन आ जाएगी। आदेशों की अवहेलना को आत्मसमर्पण की शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा और युद्ध के नियमों और प्रथाओं के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आत्मसमर्पण पत्र के अनुसार, लेफ्टिनेंट-जनरल अरोरा का निर्णय अंतिम था। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आत्मसमर्पण करने वाले सैनिकों के साथ जेनेवा कन्वेंशन के प्रावधानों के अनुसार गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाएगा और आत्मसमर्पण करने वाले सभी पाकिस्तानी सैन्य और अर्धसैनिक बलों की सुरक्षा की गारंटी दी। तब से, विजय दिवस हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है, जो 1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक जीत की याद दिलाता है , जिसके कारण बांग्लादेश को स्वतंत्रता मिली।

भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए तैयार: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तैयार है। संसद भवन में मंगलवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि साल 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग की सरकार बनी तो पहले ही दिन से खेल के प्रति सरकार का रुख स्पष्ट था।

खिलाड़ी देश के लिए खेलते हैं इसलिए उनकी ट्रेनिंग और जरूरतों को पूरा करना हमारा कर्तव्य है। सरकार का स्पष्ट मानना है कि खेलेगा भारत और बढ़ेगा भारत। खेल के क्षेत्र में हम पहले पांच स्थान में गिने जाने की तरफ कदम बढ़ा चुके हैं और साल 2030 तक भारत की स्पोर्ट्स इंडस्ट्री 120 बिलियन डॉलर हो जाएगी। आज भारत अपने सामर्थ्य के दम पर 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि एक युवा एवं खेल मंत्रालय को 800 करोड़ रुपये के आसपास का बजट देकर निपटा दिया जाता था, आज युवा एवं खेल मंत्रालय का कुल बजट 3,794.30 करोड़ रुपये है। देशभर में महिला खेलों को बढ़ावा देने के लिए अस्मिता योजना के अंतर्गत देशभर में 20 खेलों का आयोजन किया गया।

इसमें कुल 766 प्रतियोगिताओं में 83,763 महिला खिलाड़ियों की भागीदारी उसी तरह कीर्ति (खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन) कार्यक्रम के तहत पूरे भारत में पूरे भारत में 9 से 18 वर्ष के बच्चों में खेल प्रतिभा की पहचान करने के एसेसमेंट कराये जाने की शुरुआत की। अब तक 1.8 लाख से अधिक बच्चों के खेल प्रतिभा की पहचान हो चुकी है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि साल 2024 में भारत ने शतरंज में विश्व की बादशाहत हासिल की। महज 18 साल की उम्र में गुकेश ने विश्व चैम्पियनशिप का खिताब जीता। मोदी सरकार में पिछले कुछ वर्षों में 323 नए स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई, जिनकी कुल लागत 30'73.97 करोड़ रुपये है। एथलीट ट्रेनिंग और डेवलपमेंट के लिए 1041 खेलो इंडिया सेंटर बनाए गए, 32 खेलो इंडिया स्टेट सेंटर्स ऑफ़ एक्सीलेंस को नोटिफ़ाई किया गया। 301 स्पोर्ट्स एकेडमी को अच्छी ट्रेनिंग के लिए मान्यता दी गई।

आगरा एयरपोर्ट पर बैग से कारतूस मिलने पर डेनमार्क नागरिक गिरफ्तार

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा एयरपोर्ट पर बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो फ्लाइट से यात्रा करने की कोशिश के दौरान एक डेनमार्क के यात्री के सामान बैग से जिंदा कारतूस मिलने उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मंगलवार को पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर आरोपित डेनमार्क नागरिक का चालान कर दिया।

बताया गया कि इंडिगो फ्लाइट से बैंगलोर जाने के लिए जैस्पर क्रिस्टेंशन (64) पुत्र विली क्रिस्टेंशन निवासी डेनमार्क अपने पुत्र जैकब क्रिस्टेंशन के साथ थाना शाहगंज अंतर्गत खेरिया सिविल एयरपोर्ट पहुंचे थे। फ्लाइट से पहले सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की स्कैनिंग के दौरान जैस्पर क्रिस्टेंशन के बैग से तीन जिन्दा कारतूस बरामद किये। सीआईएसएफ जवानों ने जैस्पर और उसके पुत्र जेकब को स्थानीय थाना शाहगंज पुलिस के हवाले कर दिया। इस संगीन मामले में जनपद पुलिस और इंटेलिजेंस की सभी इकाइयों ने पिता-पुत्र से लंबी पूछताछ की। सोमवार देर रात्रि सीआईएसएफ के एएसआई रामनिवास की तहरीर पर जैस्पर क्रिस्टेंशन पुत्र विली क्रिस्टेंशन निवासी डेनमार्क के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने जैस्पर के पुत्र जैकब को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में जैस्पर ने बताया कि वह डेनमार्क में प्रोजेक्ट मैनेजर है और उसका पुत्र जैकब बेंगलुरु में इंटर्नशिप कर रहा है। वह 10 दिसंबर को फ्लाइट से दिल्ली पहुंचा था। जयपुर भ्रमण के पश्चात 12 दिसंबर को वे आगरा पहुंचे थे। बैग में मिले कारतूसों के बारे में जैस्पर ने बताया कि मुझे शॉट गन से शिकार करने का शौक है, जिसके लिए मेरे पास डेनमार्क निर्मित लाइसेंसी रायफल भी है, जिसमें इन कारतूसों का प्रयोग होता है, जो डेनमार्क मे ही खरीदे थे, किन्तु गलती से ये कारतूस मेरे बैग में आ गये। जैस्पर ने लाइसेंस की प्रति भी दिखाई है। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने मंगलवार को बताया कि जैस्पर क्रिसटेंशन के पास तीन कारतूस मिले हैं। वायुयान में कारतूस के साथ यात्रा करना वर्जित और दंडनीय है। थाना शाहगंज पर इनके खिलाफ आयुध अधिनियम की धारा 3/25 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कराया गया है।

सोनिया व राहुल को नेशनल हेराल्ड मामले में मिली राहत को कांग्रेस ने बताया सत्य की जीत

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की अदालत द्वारा प्रवर्तन निदेशालय की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार किए जाने के बाद कांग्रेस ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति को करारा झटका बताया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह फैसला साबित करता है कि पूरा मामला बिना अधिकार क्षेत्र, बिना एफआईआर और बिना किसी कानूनी आधार के सिर्फ कांग्रेस नेतृत्व को बदनाम करने के लिए चलाया गया था। केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ईडी ने बार-बार नेशनल हेराल्ड के तथाकथित मामले में कांग्रेस नेतृत्व को फंसाने की कोशिश की लेकिन अदालत के आज के फैसले ने साफ कर दिया कि यह मामला पूरी तरह राजनीतिक द्वेष से प्रेरित था। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह फैसला बदले की भावना से काम करने वाली जांच एजेंसियों के लिए भी स्पष्ट संदेश है। कांग्रेस और उसका नेतृत्व, लोकतंत्र और संविधान पर मौजूदा शासन के हमलों को चुनौती देने में सबसे आगे है और हर तरह की चुनौतियों के लिए तैयार है। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स पोस्ट में कहा गया कि सरकार की बदनीयत और गैरकानूनी तरीके से की गई कार्रवाई पूरी तरह बेनकाब हो गई है। पोस्ट में कहा गया कि पिछले एक दशक से मुख्य विपक्षी दल के खिलाफ बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई आज देश के सामने उजागर हो गई है और न तो मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला है, न अपराध से अर्जित आय और न ही संपत्ति का कोई अवैध हस्तांतरण।

इतिहास भूलने वाला देश अपना अस्तित्व खो देता है : राज्यपाल जनरल वी. के. सिंह

बांग्लादेश के लिए की सुख-शांति की कामना

कोलकाता। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में ऐतिहासिक विजय की स्मृति में कोलकाता स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्ग में विजय दिवस का भव्य आयोजन किया गया,जिसमें मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी.के. सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विजय दिवस के अवसर पर मीडिया से बातचीत में जनरल वी.के. सिंह ने भारत-बांग्लादेश संबंधों और साझा इतिहास पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो देश अपना इतिहास भूल जाता है, उसका अस्तित्व लंबे समय तक नहीं टिक पाता। 1971 के युद्ध को साहस, बलिदान और निर्णायक नेतृत्व का प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि यह दिन सम्मान और गर्व के साथ याद किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की इच्छा है कि बांग्लादेश में सुख-शांति बनी रहे और उसका आर्थिक विकास और अधिक सशक्त हो। भारत-बांग्लादेश संबंधों पर जनरल सिंह ने कहा कि दोनों देश हमेशा से एक-दूसरे के सहयोगी रहे हैं और यह मित्रता भविष्य में भी बनी रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि विजय दिवस दोनों देशों के वीर सपूतों के सम्मान का दिन है, न कि किसी राजनीतिक विवाद का मंच। पूर्वोत्तर भारत के संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यकाल में पूर्वोत्तर क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है और पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित भी हुआ है।

खेल, बुनियादी ढांचा और सामाजिक विकास सहित हर क्षेत्र में पूर्वोत्तर ने नई दिशा पकड़ी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट निर्देश है कि 'अष्ट लक्ष्मी' कहे जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों में विकास की रफ्तार निरंतर बनी रहनी चाहिए। जनरल सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर में जितना कार्य हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ।

भारतीय सैन्य बलों की क्षमता पर बोलते हुए जनरल वी.के. सिंह ने कहा कि सेना के शीर्ष पदों पर कार्य करने के अपने अनुभव के आधार पर वह कह सकते हैं कि आज देश की सैन्य शक्ति पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत बताया। बांग्लादेश के वर्तमान राजनीतिक हालात पर टिप्पणी से इनकार करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि विजय दिवस का मूल उद्देश्य 1971 के युद्ध में बलिदान देने वाले वीरों को नमन करना है और इसे उसी भावना के साथ मनाया जाना चाहिए।

खेत में रेंगता दिखा सात फीट का अजगर

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरशापुर जिले में चील्ह थाना क्षेत्र के पुरजागीर गांव में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब छक्कु बिंद लाइनमैन के घर के पीछे शंकर के खेत में करीब सात फीट लंबा अजगर दिखाई दिया। खेत में अजगर निकलने की खबर फैलते ही उसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

देशभर में 2,626 रेलवे स्टेशन सौर ऊर्जा से संचालित

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने स्वच्छ और सतत ऊर्जा के उपयोग की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। देशभर में अब 2,626 रेलवे स्टेशन सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं, जिससे न केवल ऊर्जा लागत में कमी आई है बल्कि पर्यावरण के अनुकूल रेलवे संचालन को भी बढ़ावा मिला है। रेल मंत्रालय के अनुसार चालू वित्त वर्ष में इस पहल को और गति मिली है। नवंबर 2025 तक 318 नए स्टेशनों को सोलर नेटवर्क से जोड़ा गया, जिसके बाद सौर ऊर्जा से संचालित रेलवे स्टेशनों की कुल संख्या 2,626 हो गई है। भारतीय रेल ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए नवंबर 2025 तक 898 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता कमीशन की है। यह वर्ष 2014 में मात्र 3.68 मेगावाट से लगभग 244 गुना वृद्धि को दर्शाता है। कुल स्थापित सौर क्षमता में से 629 मेगावाट का उपयोग ट्रैक्शन प्रयोजनों के लिए किया जा रहा है, जिससे विद्युत ट्रेनों के संचालन को सीधा समर्थन मिल रहा है। शेष 269 मेगावाट का उपयोग नॉन-ट्रैक्शन जरूरतों जैसे स्टेशन प्रकाश व्यवस्था, कार्यशालाओं, सेवा भवनों और रेलवे आवासों के लिए किया जा रहा है।

कांग्रेस जीत जाये तो सिकंदर और हार जाये तो अंपायर खराब- ये तरीका ठीक नहीं: नड्डा

नई दिल्ली। राज्य सभा में चुनाव सुधारों पर जवाब देते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि 'कांग्रेस जब जीत जाये तो सिकंदर और हार जाये तो अंपायर खराब-ये तरीका ठीक नहीं है। कांग्रेस सरकार के जमाने में बैलेट बॉक्स खुलेआम लूटे जाते और गायब हो जाते थे। चुनाव आयोग की रिपोर्ट है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें सीधे तौर पर किसी भी तरह के चुनाव सुधार का सुझाव नहीं दिया गया।'

उन्होंने पूछा कि कांग्रेस फिर से पुराने लालटेन युग में क्यों जाना चाहती है? चुनाव सुधारों पर चर्चा का समापन करते हुए मंगलवार को जेपी नड्डा ने कहा कि 'दशकों तक चुनाव आयोग के काम को देखने की जिम्मेदारी एक पार्टी की थी और वो पार्टी एक परिवार की पार्टी है। उस दौर में किसी ने इलेक्शन कमीशन की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े नहीं किये। जब हम सुधार की बात करते हैं तो एसआईआर को लेकर देशभर में ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास हुआ कि जैसे कोई धांधली हो रही है। कांग्रेस पार्टी इसको लेकर रैली कर रही है। लोकतांत्रिक प्रणाली की सशक्ति पर कांग्रेस के पुराने नेताओं और आज के नेताओं की बात करें तो स्पष्ट होता है कि गंगा-जमुना में कितना ज्यादा पानी बह चुका है।' उन्होंने कहा कि 'देश में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) कोई नया नहीं है। जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहते वर्ष-1952, 1957, 1961 में देश में एसआईआर हुआ। अटल बिहारी वाजपेयी को छोड़कर सारे एसआईआर कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार में हुए हैं।

बिहार चुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए तकलीफ दायक है, लेकिन वे जनता और अपने ही कार्यकर्ताओं को एसआईआर पर दोष मढ़कर गलत अफवाह फैला रहे हैं।' उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग जितने भी आरोप लगाये उसके जवाब में आयोग ने तर्कपूर्ण जवाब दिये। कांग्रेस द्वारा देश को गुमराह करना देशहित में नहीं है। चुनाव आयोग के साथ कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ये समझना होगा कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते देश में ईवीएम आया, जिसमें कई वैधानिक प्रावधान हुए थे।' जेपी नड्डा ने कहा कि 'कांग्रेस पार्टी 58 साल से तमिलनाडु में चुनाव नहीं जीत पा रही, दिल्ली में 12 साल से सरकार में नहीं है। पश्चिम बंगाल में 48 साल से सरकार में नहीं है। बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश में 35 साल से कांग्रेस की सरकार नहीं है। झारखंड में कांग्रेस की सरकार कभी नहीं रही। उड़ीसा में 25 साल से सरकार में नहीं है और केरल में 11 साल से सरकार में नहीं है। कांग्रेस नेताओं को समझना होगा कि चुनाव आयोग पर नहीं, बल्कि अपनी कार्यशैली पर मंथन करने की जरूरत है।

कांग्रेस ने इस साल फरवरी में चुनाव में धांधली को लेकर बार-बार आरोप लगाए और हर बार अलग आँकड़ा प्रस्तुत किया। इससे समझ आता है कि वे चुनाव प्रक्रिया को लेकर कितने गंभीर हैं।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों को समझना होगा कि एसआईआर केवल चुनाव जीतने-हारने का नहीं बल्कि देश का विषय है।

अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति ने 20 राज्यों के लिए 507.37 करोड़ मंजूर किए

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसी) ने मंगलवार को पंचायती राज संस्थानों में समुदाय-आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डिजास्टर रिस्क रिडक्शन) पहल को मजबूत करने की राष्ट्रीय परियोजना के लिए 20 राज्यों को कुल 507.37 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन को सशक्त बनाते हुए समुदाय की भागीदारी से आपदा-प्रतिरोधी भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करना है। सरकार ने वर्ष 2021 में राष्ट्रीय आपदा शमन निधि की शुरुआत की थी, जिसके तहत समाज को आपदाओं का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। अब इस पहल का विस्तार पंचायत स्तर तक किया गया है, ताकि राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को किसी भी आपदा से आत्मविश्वास के साथ निपटने में सहायता मिल सके। यह परियोजना पंचायती राज मंत्रालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से लागू की जाएगी। इसका लक्ष्य 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण अपनाते हुए आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रथाओं को शासन संरचना में एकीकृत करना है। कार्यक्रम के तहत 20 राज्यों के 81 आपदा-संभावित जिलों को कवर किया जाएगा तथा प्रमुख खतरों पर केन्द्रित 20 ग्राम पंचायतों को स्थानीय डीआरआर के लिए अन्य क्षेत्रों में लागू किए जा सकने वाले मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, कुल स्वीकृत 507.37 करोड़ रुपये की परियोजना लागत में से 273.38 करोड़ रुपये राष्ट्रीय आपदा शमन निधि के तहत केन्द्र का अंश होगा, जबकि राज्यों का योगदान 30.37 करोड़ रुपये रहेगा।

इसके अतिरिक्त, पंचायती राज मंत्रालय से 151.47 करोड़ रुपये और राज्यों से 52.15 करोड़ रुपये समानुपातिक अंश के रूप में दिए जाएंगे। परियोजना के अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं द्वारा डीआरआर विकास योजनाओं में संस्थागत सुदृढ़ीकरण, नीतिगत एकीकरण, सूचना-शिक्षा एवं संचार (आईईसी) के माध्यम से क्षमता निर्माण और जागरूकता, तथा राज्य और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के साथ प्रभावी समन्वय को बढ़ावा दिया जाएगा। यह सहायता राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) के तहत केन्द्र द्वारा पहले से जारी धनराशि के अतिरिक्त होगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ के तहत 28 राज्यों को 16,118 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के तहत 18 राज्यों को 2,854.18 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अलावा, राज्य आपदा शमन निधि से 21 राज्यों को 5,273.60 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से 14 राज्यों को 1,423.06 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन डॉ. रामविलास वेदांती को श्रद्धासुमन अर्पित किए

डॉ. रामविलास वेदांती का संपूर्ण जीवन रामकाज को समर्पित रहा : सीएम योगी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को राम नगरी अयोध्या पहुंचे। उन्होंने श्रीरामजन्म भूमि मंदिर एवं हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन पूजन किया। इसके बाद उन्होंने श्रीरामजन्म भूमि मंदिर आंदोलन के अग्रणी संत रहे और भाजपा के पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती महाराज के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या स्थित हिंदू धाम आश्रम पहुंचकर वशिष्ठ भवन के ब्रह्मलीन महंत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के वरिष्ठ सदस्य तथा वशिष्ठ भवन, अयोध्या के महंत डॉ. रामविलास वेदांती भौतिक रूप से आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संपूर्ण जीवन अयोध्या धाम के विकास और रामलला के भव्य मंदिर निर्माण को समर्पित रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वेदांती जी का पूरा जीवन ही रामकाज को समर्पित था। यह भी एक संयोग है कि प्रभु श्रीराम की पावन कथा का वाचन करते हुए उन्होंने नश्वर देह का त्यागकर साकेतवास किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वेदांती के योगदान को याद करते हुए कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रारंभिक दौर से लेकर उसके मूर्त रूप लेने और आंदोलन के सफल परिणाम को देखने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को श्रीरामजन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पर धर्मध्वजा आरोहण के समारोह में भी वेदांती जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह उनके समर्पण और निरंतर सहभागिता का स्पष्ट प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1983 में श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के आरंभ से लेकर अब तक आयोजित प्रत्येक आंदोलन और कार्यक्रम में वेदांती जी की सक्रिय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वेदांती जी को याद करते हुए कहा कि आज भले ही वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके साकेतवासी होने पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके शिष्यों व आश्रमवासियों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए मैं अयोध्या आया हूं । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ से वेदांती जी का अत्यंत निकट और आत्मीय संबंध रहा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1949 में अयोध्या धाम में श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के विग्रह के प्रकटीकरण के समय गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर पूज्य महंत दिग्विजयनाथ तथा वेदांती जी के पूज्य गुरु बाबा अभिराम दास जी उस ऐतिहासिक अभियान का हिस्सा थे। मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि वर्ष 1983 में जब श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ और उनके पूज्य गुरुदेव, गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महंत अवेद्यनाथ उस समिति के अध्यक्ष बने, तब से डॉ. रामविलास वेदांती वरिष्ठ सदस्य के रूप में निरंतर इस आंदोलन से जुड़े रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु श्रीराम के पवित्र मंदिर से जुड़े सभी ऐतिहासिक कार्यक्रमों, 5 अगस्त 2020 को मंदिर के शिलान्यास, 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा तथा 25 नवंबर 2025 को धर्मध्वजा आरोहण के वेदांती साक्षी रहे। यह उनके जीवन की साधना और संकल्प का ही परिणाम था कि वे रामलला को विराजमान होते, भव्य मंदिर का निर्माण होते और दिव्य-भव्य अयोध्या को साकार रूप में देखते हुए तथा रामकथा का गायन करते हुए इस लोक से विदा हुए।

मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की कि वे वेदांती जी को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि वे विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन करते हैं और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि वेदांती जी महाराज के आदर्शों का अनुसरण करते हुए उनके आश्रम के शिष्य और अनुयायी निरंतर रामकाज के अभियान से जुड़े रहेंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. रामविलास वेदांती जी मध्य प्रदेश के लालगांव के समीप स्थित भठवा गांव में रामकथा का वाचन कर रहे थे।

कथा का आयोजन 17 दिसंबर तक निर्धारित था, लेकिन शनिवार की रात सीने में दर्द और घबराहट की शिकायत के बाद उन्हें उपचार के लिए रीवा लाया गया। वहां एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को उनका साकेतवास हो गया।

सुरक्षित सुव्यवस्थित माघ मेला सरकार की प्राथमिकता : डिप्टी सीएम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को सर्किट हाउस में माघ मेला 2026 को लेकर प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, सुव्यस्थित माघ मेला सरकार की प्राथमिकता है। मेला सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो, तीर्थ यात्री सुरक्षित आएं, संगम में डुबकी लगाएं और वापस जाने वाले सुरक्षित जाएं। साथ ही कल्पवासियों, पूज्य संतों को कोई दिक्कत न हो इस पर विशेष निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिनकी संस्थाएं पहले से लगती रही हैं जो संस्थाएं सेवा भाव से मेले में आती हों उन्हें कोई असुविधा न हो इसका निर्देश भी दिया गया है।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में विश्व प्रसिद्ध माघमेला के बजट में कटौती करते हुए सिर्फ 30 करोड़ का बजट मिलता था, लेकिन जब योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी तो मेले का बजट बढ़ाकर 90 करोड़ से अधिक कर दिया गया। जिससे मेले को सकुशल सम्पन्न कराने में सुविधा होती है। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रयागराज में अविरल निर्मल गंगा का प्रवाह बना है। प्रयागराज से श्रृंगवेरपुर पुरामुफ्ती से अरैल तक विद्युत शवदाह गृह बनाने की रूपरेखा पर अधिकारियों से चर्चा की गई है। कुम्भ 2025 में इतिहास बना। जब से भाजपा सरकार बनी है तब से माघ मेले को मिनी कुम्भ जैसा सम्पन्न कराने का सदा प्रयास हुआ है। इसलिए माघमेला को भी मिनी कुम्भ जैसा स्वरूप देने का सरकार का प्रयास है। मेले में स्वच्छता सुरक्षा व अच्छे व्यवहार पर फोकस रहेगा।

2019 के अर्धकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता प्रहरियों के पैर धुलकर उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए ये संदेश दिया था कि बिना स्वच्छता प्रहरियों के स्वच्छ मेला संभव नहीं। इस अवसर पर भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल, रवि केसरवानी, विधायक गुरुप्रसाद मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह, विधायक दीपक पटेल, एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, डॉ केपी श्रीवास्तव, संजय राजन, डॉ शैलेष पांडेय, प्रवीण भारती, विवेक गौड़, विजय श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता का संचालन प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव ने किया। आभार ज्ञापन सह मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा ने दिया।

महंत बालक दास ने टैक्स नोटिस के विरोध में 20 हजार साधु संतों को लिखी राम पाती

वाराणसी। वाराणसी में महंत बालक दास ने अपने मठ पर नगर निगम के गृह कर, जलकर, सीवर टैक्स नोटिस के विरोध में साधु संतों को एक करने के लिए राम पाती लिखी है।

महंत बालक दास ने पत्रकारों से मंगलवार को बातचीत में कहा कि राम पाती के माध्यम से 20 हजार साधु संतों को मठों पर लगाए जा रहे टैक्स के विरोध में एक करने के लिए आह्वाहन किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यह कैसी सरकार है कि एक तरफ मदरसों को लाभ पहुंचाया जा रहा है और दूसरी ओर मठों को नोटिस भेजी जा रही है। यहां तक की कुर्की तक की धमकी दे दी गई है। मठ मंदिर के साधु से जाकर अन्न मांग कर लाते हैं, कोई दुकान नहीं लगाते है। फिर ऐसे सामाजिक कार्यों वाली जगह पर नोटिस भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों उन्होंने वाराणसी के संतों की बैठक की, जिसमें मालूम हुआ कि उनके साथ ही कई साधु संतों को नगर निगम ने नोटिस भेजा है। नोटिस का जवाब साधु संतु ने नहीं दिया है। नोटिस में आश्रमों और मठों के गृह कर मांगे गए हैं।

गृह कर में स्पष्ट कहा गया है कि उसे मकान का टैक्स जमा नहीं है जबकि वह मकान नहीं है, साधु संतों का आश्रम है। वाराणसी में आज तक आश्रमों को गृह कर की नोटिस नहीं मिली थी।

देवर ने भाभी को डंडे से पीटा, मौत

सुलतानपुर। चांदा कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर देवरार गांव में देवर ने अपनी ही भौजाई को डंडे से मार कर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चांदा कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर देवरार गांव में राजा निषाद पुत्र सीताराम निषाद ने अपनी ही भौजाई नीलम (20) पत्नी मनोज निषाद उम्र को आज डंडे से मार कर घायल कर दिया।

गम्भीर रूप से घायल महिला को परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि युवक ने अचानक बगैर किसी बात के भाभी को डंडा उठाकर मार दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई ,जिसकी शादी लगभग दो साल पहले राजा नामक व्यक्ति से हुई थी। नीलम की कोई संतान नहीं थी।

मृतका की सास शीतला निषाद के अनुसार, उनका छोटा बेटा राजा (नीलम का पति) मानसिक रूप से अस्वस्थ है और मुंबई में रहता है। परिजनों का आरोप है कि नीलम को डंडे से पीट-पीटकर मारा गया। प्रभारी निरीक्षक चांदा अमित मिश्रा ने बताया कि मामला संज्ञान में है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। अग्रिम कार्यवाही परिजनों से तहरीर मिलने पर की जाएगी।

जबरन वसूली मामले में उप-निरीक्षक निलंबित, गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार

अमरोहा। हापुड़ जिले में जबरन वसूली के एक मामले में सिम्भावली थाने में तैनात उप-निरीक्षक का नाम सामने आने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि उप-निरीक्षक नितिन कुमार वर्मा और एक अन्य आरोपी नवीन वर्मा फिलहाल फरार हैं, जबकि गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार कर लिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में दो हिस्ट्रीशीटर खालिद (42) और दीपक (34), लखन (45) और कौशर (30) नाम की एक महिला शामिल हैं। गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गिरफ्तारियां 14 दिसंबर को की गईं। अभियान के दौरान 20,000 रुपये और अपराध में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने संभल जिले के निवासी नईम से बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर 1.25 लाख रुपये वसूल किए थे। जांच के अनुसार, पीड़ित को भूखंड खरीदने के बहाने बुलाया गया और उसे डराकर धमकाकर रुपये ऐंठ लिये। पुलिस ने बताया कि गजरौला थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

गढ़ मुक्तेश्वर की पुलिस क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह ने बताया कि उप-निरीक्षक नितिन कुमार वर्मा को निलंबित कर दिया गया है।

कुल्हाड़ी से हमला कर विवाहित महिला की हत्या, प्रेमी के परिजन भी फरार

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के शहावपुर कस्बे में 31 वर्षीय एक विवाहित महिला की कथित तौर पर कुल्हाड़ी से हमलाकर हत्या कर दी गई जिसका शव पुलिस ने उसके प्रेमी के घर से बरामद किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि इस वारदात में प्रेमी के माता-पिता और उसकी चार बहनों की भूमिका हो सकती है। ये सभी कथित तौर पर फरार हैं। यह मामला मंगलवार सुबह सामने आया। पुलिस के अनुसार, शहावपुर निवासी संदीप की करीब एक माह पहले शादी हुई थी, लेकिन उसका गोरखपुर निवासी एक विवाहित महिला ममता के साथ भी प्रेम संबंध था।

पुलिस ने बताया कि सोमवार रात ममता संदीप के घर आई थी। उस समय संदीप के माता-पिता और बहनें घर पर ही मौजूद थीं, जबकि उसकी पत्नी मायके गई हुई थी। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब छह बजे संदीप शौच के लिए घर से बाहर गया था तब तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन जब वह लौटा तो उसने घर के अंदर ममता का खून से लथपथ शव देखा और पास ही खून से सनी एक कुल्हाड़ी पड़ी हुई थी। उसने बताया कि संदीप ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के अनुसार, खुद संदीप ने अपने माता-पिता पर हत्या का आरोप लगाया है। क्षेत्राधिकारी (रामनगर) गरिमा पंत ने बताया कि घटना के बाद से संदीप के माता-पिता और उसकी चारों बहनें फरार हैं। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पंत ने कहा, ''ममता के परिजनों को सूचना दे दी गई है और मामले की जांच विभिन्न पहलुओं से की जा रही है।

पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट में एक मजदूर की मौत

बिजनौर। थाना नजीबाबाद कोतवाली मार्ग पर जलालाबाद क्षेत्र के मोहल्ला मुनीरगंज निवासी हमराज व काशिफ की शिफा फायर वर्क्स के नाम से पटाखा फैक्ट्री में आज मंगलवार की सवेरे भीषण विस्फोटक हो गया। इस हादसे से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई और काफी देर तक आसपास के क्षेत्र में दहशत बनी रही। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे की सूचना पर एसपी बिजनौर अभिषेक झा, एसडीएम नजीबाबाद शैलेंद्र कुमार सिंह सीओ नितेश प्रताप सिंह और थाना प्रभारी नजीबाबाद राहुल सिंह, अग्नि शमन प्रभारी कन्हैया सिंह जादौन आदि ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसी के साथ प्रशासन की कई टीम में जांच में जुट गई है। बताया गया है कि फैक्ट्री में आम के पेड़ के नीचे गंधक पोटाश छानते समय मजदूर सुधीर कुमार पुत्र राजपाल उम्र 35 वर्ष निवासी गांव पाडला थाना किरतपुर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई | धमाका इतना जबरदस्त था कि मजदूर का सिर और ऊपरी धड़ शरीर से अलग होकर दूर जा गिरा और शरीर के हिस्से घटना स्थल पर दूर-दूर तक बिखर गए। कई अन्य भी घायल हो गए। इस हादसे के समय फैक्ट्री में कुछ दूरी पर मृतक का भतीजा अभिषेक और 40 - 50 मजदूर काम कर रहे थे। इनमें महिलाएं भी थीं।

विस्फोटक होते ही फैक्ट्री में अफरातफरी और भगदड़ मच गई | प्रशासन में फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजामों की जांच शुरू कर दी है, विस्फोटकों के कारणों को लेकर भी अग्निशमन विभाग और फॉरेंसिटंग टीम जांच में जुट गई है | इस संबंध में एसपी बिजनौर अभिषेक झा ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके के दौरान एक मजदूर की मौत हुई है ।

इसके अलावा कोई भी घायल नहीं है फैक्ट्री का लाइसेंस वैध है । पूरे मामले की कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। अगर कोई गड़बड़ी मिलती है तो लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी तथा इसमें अभियोग दर्ज किया जाएगा|

दुर्दांत अपराधी अजय गिरफ्तार

बदमाश पर हत्या और लूट समेत 15 से अधिक मुकदमे दर्ज

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सारनाथ पुलिस ने मंगलवार सुबह शातिर अपराधी अजय उर्फ विजय को गिरफ्तार किया है। इस अपराधी के खिलाफ लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और चंदौली व गाजीपुर, जौनपुर समेत बिहार में 15 से अधिक अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। यह पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है।

सारनाथ थाना अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी के अनुसार गिरफ्तार किया गया शातिर अपराधी अजय उर्फ विजय का नाम 13 सितंबर 2007 को वाराणसी के पांडेयपुर में सरकारी चिकित्सक डॉ. डीपी सिंह की गोली मारकर हत्या मामले में भी आया था। इस मामले में अजय उर्फ विजय सिंह के ऊपर मुक़दमा दर्ज किया गया। इस आरोपी ने वर्ष 2012 में गाजीपुर के सैदपुर में सराफा कारोबारी भाईयों को गोली मारकर लाखों की लूट की थी।अप्रैल वर्ष 2013 में अजय को वाराणसी कैंट पुलिस ने शातिर अपराधी अजय उर्फ विजय को 9 एमएम की पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया था। इसके कुछ माह बाद ही अजय जमानत पर छूट गया था। सितंबर वर्ष 2022 में उसने चंदौली की अदालत में गैंगस्टर के पुराने मामले सरेंडर किया था। उस समय यह एक लाख का इनामी था। बताया जाता है कि अजय ने दो मई वर्ष 2022 में प्रॉपर्टी डीलर और टीटीई विजयशंकर सिंह को शराब पीने के दौरान विवाद में गोली मार दी थी। घायल विजयशंकर ने अजय सिंह सहित अन्य 06 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

कोहरे के कारण हुए सड़क हादसे में दो की मौत

बाराबंकी। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को कोहरे के कारण हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य जख्मी हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, यह दुर्घटना पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर कोतवाली हैदरगढ़ क्षेत्र में स्थित ग्राम सरइयां के निकट तब हुई जब एक कार दूसरी कार को ओवरटेक करते वक्त उससे टकरा गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जख्मी हुए तीन लोग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बिहार में छपरा निवासी बबलू (35) और आजमगढ़ के रहने वाले दीपक कुमार (36) के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उनके मुताबिक, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

माघ मेले तक श्रद्धालुओं के लिए चित्रकूट मंडल के चार बस डिपो से संचालित होंगी 280 बसें

बांदा। प्रयागराज में संगम तट पर एक जनवरी 2026 से लेकर 15 फरवरी तक लगने वाले माघ मेले को लेकर बुंदेलखंड के श्रद्धालुओं के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार परिवहन के लिए खास इंतजाम कर रही है। बुंदेलखंड के चित्रकूट धाम मंडल के श्रद्धालुओं को मेला तक लाने ले जाने के लिए परिवहन विभाग इस बार 280 माघ मेला स्पेशल बसें चलाएगा। जिससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी तरह की कोई असुविधा न हो।

इसके लिए परिवहन विभाग ने योजना बना ली है और इस बार 6 स्नान पर्वों पर इन बसों के जरिए श्रद्धालु सुगम आवागमन कर सकेंगे। इन बसों में बांदा डिपो से 80, महोबा डिपो से 80, राठ डिपो से 65 व हमीरपुर डिपो से 55 बसें संचालित होंगी। माघ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं को समय पर बसें मिले इसको लेकर भी योगी आदित्यनाथ की सरकार ध्यान दे रही है और चित्रकूट धाम मंडल के श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक 15 मिनट में एक बस संचालित की जाएगी। वहीं श्रद्धालुओं की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाएगा। प्रयागराज के नेहरू पार्क और लेप्रोसी से इन बसों का संचालन होगा और इन दोनों जगहों को अस्थाई बस अड्डा भी बनाया गया है। बांदा डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश बाबू गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक 1 जनवरी 2026 की सुबह 5 बजे से 15 मिनट में एक बस का संचालन किया जाएगा। वहीं हमारे मंडल के सभी डिपो से यात्रियों की उपलब्धता के आधार पर बसों का संचालन किया जाएगा। बांदा डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश बाबू गुप्ता ने बताया कि सभी बसों की कंडीशन अच्छी स्थिति में रहेगी और इन बसों में फॉग लैंप, हेडलाइट, विंडो कैचर, हॉर्न सीटों की दशा व साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और सभी बसों में रूट के हिसाब से मेला स्टीकर लगाए जाएंगे जिससे श्रद्धालुओं में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो और आसानी से वह अपने क्षेत्र की बसों में बैठ सकें।

आवागमन के दौरान बसों के खराब होने की दशा में 7 सदस्यीय 2 टेक्निकल टीमें भी तैनात रहेगी। जिसमें एक टीम चित्रकूट बस डिपो में तैनात रहेगी तो वहीं दूसरी टीम प्रयागराज में तैनात रहेगी। वही हमीरपुर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रामप्रताप साहू को मेला अधिकारी बनाया गया है और उनकी देखरेख में ही सभी बसों का संचालन किया जाएगा।

महापौर ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

गाजियाबाद। वार्ड 57 अंतर्गत मकनपुर गांव के मुख्य मार्ग पर बारात घर से बाईपास तक दोनों ओर आरसीसी नाली एवं सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ महापौर सुनीता दयाल और मंत्री सुनील शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर वार्ड 57 के पार्षद राधेश्याम त्यागी ने गांववासियों ने पेयजल समस्या, सीवर व्यवस्था एवं तालाब के सौंदर्यीकरण कराने का महापौर से अनुरोध किया।

पार्षद राधेश्याम त्यागी ने बताया कि इन सभी विषयों पर निगम स्तर पर पूर्व से ही निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे गांव के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। इस दौरान महापौर सुनीता दयाल ने आश्वस्त किया कि पार्षद राधेश्याम त्यागी और गांववासियों की मांगों के अनुसार गांव के प्रत्येक कोने का विकास कराया जाएगा। साथ ही बालाजी मंदिर से काला पत्थर रोड होते हुए एनएच-9 तक मुख्यमंत्री ग्रीन रोड परियोजना के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है जिसका उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में मंजुला गुप्ता, मअंकुर त्यागी, अजय गुप्ता, गायत्री पांडे, राजकुमार त्यागी, राकेश त्यागी, जयवीर त्यागी, सतेंद्र त्यागी, राजू त्यागी, मन्नू त्यागी, सागर त्यागी, महेन्द्र जाटव, हरीश चन्द त्यागी, अमित शर्मा, सीताराम त्यागी, सुरेश सैन, मदन शर्मा, कृष्ण त्यागी, पुष्प कुमार जाटव, हुकुम चन्द, सोमदत्त त्यागी, सलेक त्यागी, योगराज त्यागी, ओमदत्त सिंह, बलेश त्यागी, संदीप त्यागी, सचिन राघव, महेन्द्र , सुनील शर्मा, गिरिराज चौधरी, सूरज पाल शर्मा, घनश्याम शर्मा, नरेश शर्मा, सोमवीर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

केकेआर ने ग्रीन, पथिराना पर जमकर किया खर्च, सीएसके ने प्रशांत, कार्तिक पर लगाया बड़ा दांव

अबूधाबी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों की नीलामी में मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज हरफनमौला ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के लिए रिकॉर्ड 25.20 करोड़ रुपये और श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के लिए 18 करोड़ रुपये खर्च किए। इस नीलामी में 'अनकैप्ड' (अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले) भारतीय खिलाड़ियों को भी बड़ी सफलता मिली। इसमें उत्तर प्रदेश के 20 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर प्रशांत वीर और राजस्थान के विकेटकीपर और आक्रामक बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को चेन्नई सुपर किंग्स ने एक समान 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा। दोनों खिलाड़ी 30 लाख रुपये की आधार मूल्य में आने के बाद आईपीएल नीलामी के इतिहास में सबसे अधिक कीमत पाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए। जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी दार को भी दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा। दार की शुरुआती कीमत भी 30 लाख रुपये थी। पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे भारतीय बल्लेबाजों को अच्छी लय में होने के बावजूद नीलामी में शुरुआती चरण कोई खरीदार नहीं मिला।

सरफराज को हालांकि दूसरे दौर की नीलामी में सीएसके ने 75 लाख रुपये में खरीदा जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने इसी रकम में साव को टीम में शामिल किया। मुंबई छोड़ महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रहे साव घरेलू क्रिकेट में पिछले कुछ समय से शानदार लय में है जबकि मुंबई के खिलाड़ी सरफराज ने नीलामी शुरू होने से ठीक पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच में राजस्थान के खिलाफ 22 गेंदों में 73 रन बनाए थे। दिल्ली कैपिटल्स ने न्यूजीलैंड

के काइल जैमीसन को भी आखिरी क्षणों में दो करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया। ग्रीन ने अपने हमवतन मिशेल स्टार्क (24.75 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ते हुए आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच उनके लिए कड़ी बोली लगी, जिसके अंत में चेन्नई की फ्रेंचाइजी पिछड़ गयी। केकेआर ने इसके बाद वेंकटेश अय्यर को हासिल करने की कोशिश की थी, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस हरफनमौला को सात करोड़ रुपये की बोली के साथ अपनी से जोड़ा। तीन बार की इस चैंपियन ने श्रीलंका के तेज गेंदबाज पथिराना को खरीदने की होड़ में तब प्रवेश किया जब दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुरुआती बोली के बार पीछे हटने का फैसला किया। दो करोड़ रुपये की आधार मूल्य के साथ इस नीलामी में शामिल होने वाले पथिराना आईपीएल में बिकने वाले सबसे महंगे श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए। विदेशी खिलाड़ियों के लिए नीलामी के नियमों के अनुसार हालांकि शेष राशि बीसीसीआई के खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में जाएगी। ऐसे में इस सत्र के लिए उनका वेतन 18 करोड़ रुपये (19 लाख अमेरिकी डॉलर) ही रहेगा।

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करने वाले पथिराना को हालांकि पूरी रकम मिलेगी क्योंकि वह वेतन सीमा के अंदर है। केकेआर के प्रबंध निदेशक वेंकी मैसूर ने कहा कि फ्रेंचाइजी ग्रीन को जिस कीमत पर हासिल किया गया है, उससे वे खुश हैं। उम्मीद है कि ग्रीन आगामी सत्र में टीम को काफी मजबूती प्रदान करेंगे। मैसूर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम बहुत खुश हैं। इस पर हमारा ध्यान केंद्रित था और जिसकी हम उम्मीद कर रहे थे। जिस कीमत पर हमने उन्हें खरीदा है, उससे हम संतुष्ट हैं। कीमत अगर इससे ज्यादा होती तो चिंता की बात होती। हम उन्हें खरीदने के इच्छुक थे और उनसे जुड़े हुए थे, लेकिन अगर इससे नीलामी की हमारी योजना प्रभावित होती तो हम उन्हें जाने देते।'' उन्होंने आगे कहा, ''वे हमारी टीम को काफी मजबूती प्रदान करेंगे और हम जानते हैं कि वे बल्ले और गेंद से क्या कर सकते हैं, इससे हम बहुत खुश हैं।'' उन्होंने कहा, ''बीसीआई द्वारा 18 करोड़ रुपये के नियम पर हमारा दृष्टिकोण यह है कि हमें कोई चिंता नहीं है, वैसे भी यह फ्रेंचाइजी को तो यह रकम देनी ही पड़ेगी।'' ग्रीन इससे पहले मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल के 29 मैचों में 707 रन बनाने के अलावा 16 विकेट भी चटकाए है। ग्रीन ने कहा, ''इस साल के आईपीएल के लिए कोलकाता का हिस्सा बनकर मैं बहुत उत्साहित हूं। ईडन गार्डन्स में जाकर वहां के माहौल से परिचित होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे उम्मीद है कि यह साल हमारे लिए शानदार रहेगा। जल्द ही मिलते हैं। आमी केकेआर।'' बांग्लादेश के अनुभवी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान को केकेआर ने सीएसके के साथ कई दौर की बोली के बाद 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि मध्य प्रदेश के युवा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 5.20 करोड़ रुपये में खरीदा। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 23 वर्षीय यादव के लिए सनराइजर्स हैदराबाद की बोली को पछाड़ दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन को खरीदने के लिए 13 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस की सेवाएं 8.60 करोड़ रुपये में हासिल कीं। इन दोनों खिलाड़ियों के नाम पर नीलामी की शुरुआती दौर में किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कूपर कॉनॉली को पंजाब किंग्स ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा। मंगलवार को हुई मिनी नीलामी में यह फ्रेंचाइजी की पहली खरीद थी। नीलामी के दूसरे चरण में ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा।

न्यूजीलैंड के टॉम बैंटन और एडम मिल्ने को क्रमशः गुजरात टाइटन्स ने दो करोड़ रुपये और राजस्थान रॉयल्स ने 2.40 करोड़ रुपये में खरीदा। दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर को दिल्ली कैपिटल्स ने उनके आधार मूल्य दो करोड़ रुपये में खरीदा जबकि न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे (आधार मूल्य दो करोड़ रुपये) नीलामी में नहीं बिके। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी सलामी बल्लेबाज एवं विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक एक करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस में वापस लौटे। तेज गेंदबाजों में दो करोड़ रुपये की कीमत वाले एनरिच नॉर्किया और लुंगी एनगिडी को इसी रकम पर क्रमशः लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल कर लिया। स्पिनरों में रवि बिश्नोई को राजस्थान रॉयल्स ने 7.2 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि सीएसके ने राहुल चाहर को 5.20 करोड़ और अकील हुसैन को दो करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया। इस छोटी नीलामी में कुल 359 खिलाड़ी (246 भारतीय और 113 विदेशी खिलाड़ी) शामिल थे जिसमें से 77 खिलाड़ियों ने फ्रेंचाइजी टीमों से बोली हासिल की।

एरिना सबालेंका फिर डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनीं

न्यूयॉर्क। एरिना सबालेंका लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। उन्हें अमेरिकी ओपन जीतने, दो अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने और सत्र का अंत नंबर एक खिलाड़ी के रूप में करने के लिए मीडिया पैनल से लगभग 80 प्रतिशत वोट मिले। सबालेंका पिछले 25 वर्षों में सेरेना विलियम्स और इगा स्वियातेक के साथ लगातार दो बार यह सम्मान जीतने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। बेलारूस की 27 साल की सबालेंका 2025 में महिला टेनिस में मैच जीतने (63 जीत, 12 हार), खिताब जीने (चार) और फाइनल में पहुंचने (नौ) में सबसे आगे रहीं। उन्होंने एक करोड़ 50 लाख डॉलर की इनामी राशि जीतकर टूर रिकॉर्ड बनाया। वह पूरे साल नंबर एक खिलाड़ी रहीं। सबालेंका जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में मेडिसन कीज से और जून में फ्रेंच ओपन के फाइनल में कोको गॉफ से हार गईं थी। वह जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचीं और फिर सितंबर में अमेरिकी ओपन के फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को हराकर अपने करियर की चौथी ग्रैंड स्लैम एकल ट्रॉफी जीती। अमेरिका की 24 साल की अनिसिमोवा को विंबलडन और अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचने के लिए सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी चुना गया। वह तीन और टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं जिसमें दोहा और बीजिंग में डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतना भी शामिल है। अनिसिमोवा ने 2024 का अंत रैंकिंग में 36वें स्थान पर किया था लेकिन 2025 के आखिर में नंबर चार पर पहुंच गईं। सोमवार को अन्य पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में विकी म्बोको को साल की सर्वश्रेष्ठ नई खिलाड़ी, बेलिंडा बेनसिक को वापसी करने वाली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और कैटरीना सिनियाकोवा तथा टेलर टाउनसेंड को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में 'ग्रुप ऑफ डेथ' में सात्विक-चिराग की होगी कड़ी परीक्षा

हांगझोउ। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बुधवार से यहां शुरू होने वाले सत्रांत बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को उस ग्रुप में जगह मिली है जिसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' (सबसे मुश्किल ग्रुप) माना जा रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हर वर्ग में आठ शीर्ष खिलाड़ी या जोड़ियां शामिल होती हैं जिनका चयन विश्व टूर कैलेंडर में प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। दुनिया की पूर्व नंबर एक और अब तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी इस एलीट प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि हैं।

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग को ग्रुप बी में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा क्योंकि इस ग्रुप में कई ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं। भारतीय जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ करेगी जो पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता हैं। इसके बाद उनकी भिड़ंत इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री से होगी। शुक्रवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारतीय जोड़ी अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशियाई जोड़ी से भिड़ेगी जो पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता हैं। चिया और यिक को यहां दूसरी वरीयता मिली है। आमने-सामने के रिकॉर्ड की बात करें तो सात्विक और चिराग ने दुनिया की सातवें नंबर की चीन की जोड़ी के खिलाफ तीन मैच जीते हैं जबकि सात मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

सात्विक और चिराग ने इस साल कोई खिताब नहीं जीता लेकिन भारतीय जोड़ी ने चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करते हुए निरंतरता और लचीलापन दिखाया है। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक के साथ फॉर्म में वापसी की और हांगकांग ओपन तथा चीन मास्टर्स में उपविजेता रहे। भारतीय जोड़ी मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन, चीन ओपन और डेनमार्क ओपन में भी सेमीफाइनल में पहुंची। साल के आखिर में होने वाले फाइनल्स में भारत की उपस्थिति छिटपुट लेकिन महत्वपूर्ण रही है। पीवी सिंधू यह खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2018 में महिला एकल का खिताब जीता था जबकि साइना नेहवाल 2011 में फाइनल में पहुंची थीं। युगल में ज्वाला गुट्टा और वी दिजू 2009 के सुपर सीरीज फाइनल में मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंचे थे।

अभिज्ञान के 209 रन, युवा वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय

दुबई। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने मंगलवार को मलेशिया के खिलाफ नाबाद 209 रन बनाकर इतिहास रच दिया और वह भारत के लिये युवा वनडे में दोहरा शतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। सत्रह वर्ष के कुंडू दक्षिण अफ्रीका के जोरिच वान के बाद युवा वनडे में दोहरा शतक जमाने वाले दूसरे बल्लेबाज हो गए। जोरिच ने इस साल की शुरूआत में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 153 गेंद में 215 रन बनाये थे। पांचवें नंबर पर उतरे कुंडू ने 125 गेंद की पारी में 19 चौके और सात छक्के लगाये। उनकी पारी के दम पर भारत ने सात विकेट पर 408 रन बनाये।

एशेज में खिलाड़ी बांह पर काली पट्टी बांधकर बॉन्डी गोलीबारी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देंगे

एडीलेड। बॉन्डी बीच गोलीबारी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी बुधवार को एडीलेड ओवल में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में काली पट्टी बांधकर खेलेंगे और झंडे आधे झुकाए जाएंगे। रविवार की रात सिडनी के लोकप्रिय समुद्र तट पर दो बंदूकधारियों ने गोलियां बरसाकर 15 लोगों की हत्या कर दी थी और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। उनका निशाना सिडनी के यहूदी समुदाय के सदस्य थे जो हनुक्का की शुरुआत का जश्न मना रहे थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा, ''इस बेहद संकट की घड़ी में हमारी पूरी संवेदना पीड़ितों, उनके मित्रों और परिवारों, यहूदी समुदाय और ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ है। प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम आपके साथ खड़े हैं।'' ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, ''इस दौरान मेरा दिल पीड़ितों, उनके परिवारों, बॉन्डी के लोगों और हमारे यहूदी समुदाय के साथ है। यदि आप कर सकते हैं तो कृपया रक्तदान करने के लिए समय बुक करें।'' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को कहा कि अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई लोक गायक जॉन विलियमसन बुधवार के मैच की शुरुआत में पीड़ितों को श्रद्धांजलि देंगे जो पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का तीसरा मैच है। ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में 2-0 से आगे है।

कमिंस और लियोन की तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम में वापसी

एडीलेड। अनुभवी उस्मान ख्वाजा इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकादश में चयन से चूक गए हैं क्योंकि ट्रेविस हेड को जेक वेदराल्ड के साथ पारी का आगाज करने के लिए चुना गया है। अपने 39वें जन्मदिन से सिर्फ दो दिन दूर ख्वाजा को एडीलेड ओवल में बुधवार से शुरू होने वाले टेस्ट के लिए मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया की एकादश में जगह नहीं मिली। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है और एडीलेड में जीत या ड्रॉ के साथ एशेज बरकरार रख सकता है। इंग्लैंड ने अपनी एकादश सोमवार को घोषित की थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम में ब्रेंडन डोगेट और माइकल नेसर की जगह कप्तान पैट कमिंस और नाथन लियोन की गेंदबाजी आक्रमण में वापसी हुई है जबकि शीर्ष सात में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसका मतलब है कि जोश इंग्लिस सातवें नंबर पर बरकरार रहेंगे जबकि ख्वाजा को पीठ की ऐंठन के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट में जगह बनाने से चूकने के बाद दोबारा शामिल नहीं किया गया।

टीम इस प्रकार हैं: ऑस्ट्रेलिया: जैक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड। इंग्लैंड: जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, जोश टंग, ब्राइडन कार्स और जोफ्रा आर्चर।

कृत्रिम मेधा के युग में भारत की विविधता एक ताकत : प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में भारत की भाषाई एवं सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता एक ताकत है। उन्होंने साथ ही कहा कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा व कृषि में यहां विकसित किए गए समाधान अफ्रीका तथा लातिन अमेरिका जैसे अन्य क्षेत्रों को भी लाभ पहुंचा सकते हैं।

'प्रौद्योगिकी' को राष्ट्रीय बदलाव का एक रणनीतिक चालक बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अनुमानों से संकेत मिलता है कि एआई 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था में करीब 1,700 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान दे सकता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गूगल के 'लैब टू इम्पैक्ट' कार्यक्रम में कहा कि एआई केवल आर्थिक मूल्य के बारे में नहीं है, यह

पर नहीं बनाया जा सकता, इसे मौलिक अनुसंधान एवं संस्थागत विश्वास तथा बड़े पैमाने पर समस्याओं को हल करने की क्षमता पर बनाया जाना चाहिए।'' उभरती प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में स्वदेशी भावना का अर्थ है कि डेटा, भाषा और अनुसंधान प्राथमिकताएं भारतीय वास्तविकताओं के अनुरूप हो। भले ही भारत एक वैश्विक सहयोगी एवं योगदानकर्ता बना रहे। प्रधान ने कहा कि भारत की विविधता भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक को अकसर एक चुनौती के रूप में वर्णित किया जाता है, लेकिन एआई के संदर्भ में, यह एक ताकत है। जब एआई प्रणाली भारत के लिए काम कर सकती है, तो वे दुनिया के लिए भी काम कर सकती है। भारत के संस्थानों को असाधारण प्रतिभा एवं अनुशासन से युक्त बताते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि इस प्रतिभा को एक मजबूत अनुसंधान प्रणाली, स्थिर वित्त पोषण और दीर्घकालिक संस्थागत ढांचे द्वारा समर्थन मिले। उन्होंने भारत के 'प्रौद्योगिकी निर्माता' के रूप में तब्दील होने का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय किसानों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा छात्रों के लिए बनाए गए समाधानों को अफ्रीका और लातिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में अपनाया जा सकता है।

बी. साईराम ने कोल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बी. साईराम के कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पद का कार्यभार संभालने की मंगलवार को घोषणा की। घरेलू ऊर्जा की बढ़ती मांग के बीच सीआईएल के रिकॉर्ड उत्पादन लक्ष्य हासिल करने के लिए अपने प्रयास तेज करने के बीच यह घोषणा की गई। साईराम, कोयला विभाग के अतिरिक्त सचिव सनोज कुमार झा का स्थान लेंगे। झा ने 31 अक्टूबर को पी. एम. प्रसाद की सेवानिवृत्ति के बाद एक नवंबर 2025 से अंतरिम चेयरमैन का कार्यभार संभाला था। बीएसई को दी सूचना के अनुसार, '' बी. साईराम ने 15 दिसंबर 2025 से सीआईएल के चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया।'' भारत के घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

टाटा पावर जनवरी तक 6,500 करोड़ रुपये की वेफर-इन्गोट परियोजना को अंतिम रूप देगी: सीईओ प्रवीर सिन्हा

भुवनेश्वर। टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी प्रवीर सिन्हा ने कहा कि टाटा पावर करीब 6,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्थापित होने वाली अपनी 10 गीगावाट वेफर एवं इन्गोट परियोजना को अगले साल जनवरी तक अंतिम रूप देने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने यहां कंपनी के एक कार्यक्रम से इतर कहा कि कंपनी विभिन्न राज्यों के साथ बातचीत कर रही है और जल्द ही इसके लिए स्थान का चयन किया जाएगा। सिन्हा ने इससे पहले आय संबंधी जानकारी देते हुए कहा था कि टाटा पावर अपने 'बैकवर्ड इंटीग्रेशन' के हिस्से के रूप में 10 गीगावाट का वेफर एवं इन्गोट संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में प्रस्तावित परियोजना को लेकर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। सिन्हा ने कहा, '' जनवरी में हम कुछ घोषणा करेंगे। इस बीच, हम परियोजना के लिए संभावित स्थल की खोज जारी रखेंगे।'' कंपनी ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में विभिन्न स्थानों की खोज कर रही है। सिन्हा ने कहा, '' स्थान के अंतिम चयन से पहले हम राज्य की नीतियों और प्रोत्साहनों पर विचार कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि टाटा पावर इस परियोजना में 6,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। जल एवं इन्गोट परियोजना की स्थापना से टाटा पावर सौर ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र में एक पूर्ण एकीकृत कंपनी बन जाएगी।

कंपनी मॉड्यूल और सेल का विनिर्माण करती है। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड, एक अग्रणी एकीकृत बिजली कंपनी है जिसके पास थर्मल, सौर एवं पवन ऊर्जा सहित 15.9 गीगावाट का विविध खंड है। टाटा समूह की यह इकाई परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी, निजी कंपनियों के परमाणु क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक कानूनी संशोधनों के बाद 20-50 मेगावाट क्षमता वाली छोटी मॉड्यूलर रिएक्टर परियोजनाओं की स्थापना की संभावनाओं का पता लगाएगी।

गूगल ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि क्षेत्र में एआई को बढ़ावा देने के लिए वित्त पोषण की घोषणा की

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार को स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा एवं टिकाऊ शहरों के लिए भारत के एआई उत्कृष्टता केंद्रों को 80 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। साथ ही, भारत के स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है। गूगल, भारतीय भाषाओं के समाधान प्रदान करने वाले मॉडल बनाने के लिए ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई, और भारतजेन को 50,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान भी दे रहा है।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गूगल ने कहा कि वह स्वास्थ्य एवं कृषि के लिए बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों का समर्थन करने के लिए वधवानी एआई को 45 लाख अमेरिकी

डॉलर की धनराशि प्रदान कर रहा है। कंपनी ने कहा कि ये घोषणाएं भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को मजबूत करने के लिए गूगल द्वारा किए गए नये सहयोग एवं वित्त पोषण प्रतिबद्धताओं की एक श्रृंखला को दर्शाती हैं। अमेरिकी कंपनी ने कहा, ''गूगल ने भारत के स्वास्थ्य मॉडल बनाने के लिए 'मेडगेम्मा' का लाभ उठाने वाले नये सहयोगों का समर्थन करने के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की है।''

गूगल ने कहा कि अजना लेंस, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों के साथ मिलकर ऐसे मॉडल तैयार करेगी जो त्वचा विज्ञान और 'ओपीडी ट्राइएजिंग' में भारत-विशिष्ट उपयोग का समर्थन करेंगे। इसके अलावा, आईआईएससी (भारतीय विज्ञान संस्थान) के शोधकर्ता, एआई विशेषज्ञ एवं चिकित्सक व्यापक नैदानिक अनुप्रयोगों के लिए एआई मॉडल के उपयोग की संभावनाएं तलाशेंगे।

अपने समावेशी एआई एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए गूगल ने आईआईटी मुंबई में नये भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए 20 लाख अमेरिकी डॉलर का प्रारंभिक योगदान देने की घोषणा की है। गूगल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक प्रगति भारत की भाषाई विविधता के हित में हो।

एआई को नियंत्रित करने के लिए 'बेहद आवश्यक' होने पर ही लाए जाएंगे नए कानून:सचिव एस. कृष्णन

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सचिव एस. कृष्णन ने मंगलवार को कहा कि सरकार कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए नए कानून या नियम लाने से बचना चाहती है, जब तक कि यह ''बेहद आवश्यक'' न हो। उन्होंने कहा कि उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम जैसे मौजूदा कानूनी ढांचे का इस्तेमाल किया जाएगा। उद्योग संघ एसोचैम की 'एआई लीडरशिप मीट' में कृष्णन ने कहा कि सरकार का नियामक दृष्टिकोण विचारशील एवं सावधानीपूर्वक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नवाचार में बाधा न डाले।

उन्होंने कहा, '' वैसे भी, हमारे देश में कई कानून हैं... इसलिए मेरी हमेशा यही प्रवृत्ति रहती है कि जब तक बिलकुल जरूरी न हो, कोई नया कानून या नियम न बनाया जाए। पहले यह देखने

की कोशिश करें कि मौजूदा कानूनों के साथ क्या किया जा सकता है।'' कृष्णन ने कहा, '' अब तक एआई के नियमन के प्रति हमारा दृष्टिकोण बेहद व्यावहारिक रहा है और यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हम किसी भी परिस्थिति में नवाचार के रास्ते में बाधा नहीं बनना चाहते।'' उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिनियम और हाल ही में अधिसूचित डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के प्रावधानों में एआई के उपयोग से संबंधित काफी सारे मुद्दे पहले से ही शामिल किए गए हैं।

सचिव ने कहा, ''समय आने पर विनियमन की आवश्यकता होगी या नहीं, इस पर हम अन्य पहलुओं के साथ विचार करेंगे।'' उन्होंने कहा, '' हमारा जोर उन नियमों को लागू करने पर होगा जो कृत्रिम मेधा के विकास को संभव बनाएंगे।'' सचिव ने हालांकि आगाह किया कि यदि इस प्रौद्योगिकी से कोई नुकसान होता है तो सरकार चुप नहीं बैठेगी। कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण होने वाले नौकरियों के विस्थापन से संबंधित चिंताओं को लेकर कृष्णन ने स्वीकार किया कि कुछ नौकरियां भले ही समाप्त हो जाएं, लेकिन अन्य नौकरियां सृजित होंगी। उन्होंने तर्क दिया कि सैद्धांतिक एआई से वास्तविक अनुप्रयोगों और कार्यान्वयन की ओर बदलाव में भारत को एक विशिष्ट लाभ मिलता है।

कृष्णन ने कहा, '' हमारा मानव संसाधन भी अन्य कई देशों की तुलना में एआई बदलाव को संभालने के लिए बेहतर स्थिति में है और उनका वितरण भी बेहतर है।'' 'एआई लीडरशिप मीट', एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए एक आधिकारिक पूर्व-समिति कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 'इंडिया एआई-इम्पैक्ट समिट' 2026 का आयोजन 19-20 फरवरी 2026 को नयी दिल्ली में किया जाएगा।

श्रद्धा कपूर ने फिल्म 'धुरंधर' की तारीफ की

मुंबई। बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर ने फिल्म धुरंधर की तारीफ की है। फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह ,अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल की अहम भूमिका हैं। यह हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर आदित्य धर द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित है, और इसका निर्माण ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने किया है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, बी62 स्टूडियोज के प्रोडक्शन और सारेगामा के सहयोग से यह फिल्म बनी है।इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी और इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर फिल्म को कई सेलेब्स से भी लगातार प्रशंसा मिल रही है। इसमें श्रद्धा कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। श्रद्धा कपूर ने इस फिल्म की तारीफ करते हुए दूसरे पार्ट के लिए भी अपनी उत्सुकता जाहिर की है। श्रद्धा कपूर ने फिल्म धुरंधर की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर कई स्टोरीज साझा कीं। अपनी स्टोरीज में उन्होंने लिखा, 'आदित्य धर का धुरंधर बनाना वाकई बुरा लग रहा है, क्योंकि दूसरे पार्ट के लिए हमें तीन महीने का इंतजार करवाया है। हमारी भावनाओं के साथ खिलवाड़ मत करो। कृपया इसे पहले रिलीज कर दो।'श्रद्धा कपूर ने फिल्म धुरंधर की तारीफ करते हुए कहा कि क्या शानदार अनुभव रहा। यदि सुबह शूट नहीं होता तो अभी जाकर दोबारा देखती है। उन्होंने इस साल हिंदी सिनेमा को मिली हिट फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि 'छावा', 'सैयारा' और 'धुरंधर' सभी 2025 के हिंदी सिनेमा में। श्रद्धा कपूर ने आदित्य धर की पत्नी और अभिनेत्री यामी गौतम को मिले निगेटिव पीआर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'यामी गौतम को निगेटिव पीआर और मनगढ़ंत विवादों का सामना करना पड़ा, लेकिन धुरंधर ने इन सब का सामना किया और शानदार प्रदर्शन किया। कोई भी बुरी ताकत एक अच्छी फिल्म को नीचे नहीं गिरा सकती। हमें दर्शकों पर भरोसा है।'

अहमदाबाद पहुंचे 'तू मेरी मैं तेरा' मैं तेरा तू मेरी' के कार्तिक और अनन्या

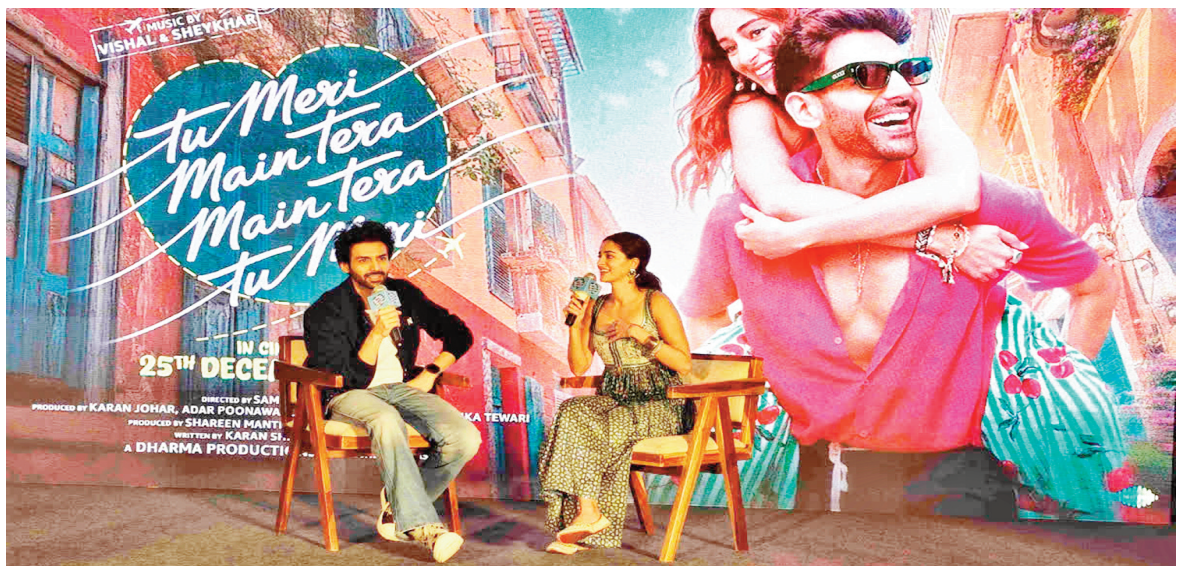

अहमदाबाद। रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन के सिलसिले में मुख्य कलाकार, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे सोमवार को गुजरात के अहमदाबाद पहुँचे। दोनों मुख्य कलाकार अपनी दिलकश मौजूदगी के साथ आज मीडिया से रूबरू हुए और फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान माहौल पूरी तरह फिल्म के रोमांचक रंग में रंगा नजर आया। कार्तिक और अनन्या की केमिस्ट्री मंच पर भी उतनी ही सहज और आकर्षक दिखी, जितनी पर्दे पर देखने को मिलने वाली है। दोनों कलाकारों ने फिल्म की कहानी, अपने किरदारों और शूटिंग के अनुभवों को बेहद खुले दिल से साझा किया, जिससे यह तो साफ हो ही गया है कि यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रही है। कार्तिक आर्यन ने बातचीत के दौरान कहा कि तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी, फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। इसमें मेरा किरदार प्यार, उलझन और सच्ची भावनाओं से भरा हुआ है। दर्शक मुझे इस बार एक अलग ही अंदाज में देखेंगे। यह फिल्म रिश्तों की उन बारीकियों को छूती है, जिन्हें हम अक्सर महसूस तो करते हैं, लेकिन कह नहीं पाते। दर्शकों को फिल्म की कहानी खूब पसंद आएगी। वहीं, फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ₹इस फिल्म की कहानी बेहद सच्ची और दिल से जुड़ी हुई है। इसमें प्यार सिर्फ परियों की कहानी जैसा नहीं, बल्कि आज के समय के रिश्तों की हकीकत के साथ सामने आता है। मुझे पूरा भरोसा है कि दर्शक हमारे किरदारों से कहीं न कहीं खुद को जरूर जुड़ा हुआ पाएँगे। कार्तिक के साथ काम करना हमेशा से ही खास रहा है और इस फिल्म में हमारी केमिस्ट्री दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। उनहोंने कहा कि फिल्म के टीजर में कार्तिक-अनन्या की खट्टी-मिठी नोक झोंक को भी दर्शकों से खूब प्यार मिला। फिल्म का म्यूजिक भी पहले ही श्रोताओं के दिलों में जगह बना चुका है। इसके गाने कहानी की भावनाओं को और गहराई देते हैं और रोमांस के उस एहसास को जीवंत करते हैं, जिसके लिए यह फिल्म जानी जाएगी। रंगीन लोकेशंस, हल्के-फुल्के डायलॉग्स और भावनाओं से भरे सीन इस रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म में एक फील-गुड तड़का लगाने का काम करते हैं।

सोनी सब के शो 'इत्ती सी खुशी' में हुई फारुख सईद की एंट्री

मुंबई। सोनी सब के शो 'इत्ती सी खुशी' में अभिनेता फारुख सईद की एंट्री हो गयी है। शो 'इत्ती सी खुशी' अपनी भावपूर्ण कहानी से लोगों का दिल जीत रहा है, जो दिवेकर परिवार के सुखों, संघर्षों और उन्हें परिभाषित करने वाले अटूट बंधनों को दर्शाता है। अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) और संजय (ऋषि सक्सेना) की शादी दिवेकर परिवार में एक महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है, और अब यह शो एक और दिलचस्प मोड़ के लिए तैयार है। कहानी में और अधिक गहराई और तीव्रता जोड़ने के लिए, प्रशंसित अभिनेता फारुख सईद, जो विराट (रजत वर्मा) के शक्तिशाली और रहस्यमय पिता राजनाथ वर्मा की भूमिका निभा रहे हैं, कहानी में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राजनाथ वर्मा एक सेल्फ-मेड बिजनेस टाइकून हैं, जो सत्ता और अपने बड़े बेटे को खोने के अनसुलझे दुःख से कठोर हो गए हैं। प्रतिष्ठा और नियंत्रण के प्रति जुनूनी, वह ₹इज्ज़त सबसे ऊपर₹ के विश्वास पर जीते हैं, अपनी असुरक्षाओं को धन और अधिकार के पीछे छिपाते हैं। भावनात्मक रूप से अनुपलब्ध और दबंग, वह आदेशों में बात करते हैं और एक कठोर वर्ल्डव्यू बनाए रखते हैं। उनका सबसे बड़ा टकराव उनके छोटे बेटे विराट से है, जिसकी करुणा और आदर्श उनकी विरासत की भूख से टकराते हैं। विरासत, नियंत्रण और सामाजिक छवि के प्रति उनका जुनून उन्हें अपने उस बेटे को देखने में असमर्थ बनाता है जो अभी भी उनके सामने जीवित है। फारुख सईद ने साझा किया, ₹राजनाथ वर्मा उन पात्रों में से एक हैं जो अपनी जटिलता के कारण आपको तुरंत आकर्षित करते हैं। सतही स्तर पर, वह शक्तिशाली, आधिकारिक और सफलता और सम्मान के अपने विचार में गहराई से निहित हैं। लेकिन इसके नीचे, एक ऐसा आदमी है जो टूटा हुआ है, दुखी है और सरलतम भावनाओं को व्यक्त करने में असमर्थ है। उस द्वंद्व ने मुझे मोहित किया। एक अभिनेता के रूप में, मैं किसी ऐसे व्यक्ति का चित्रण करने की चुनौती की ओर आकर्षित हुआ जो अडिग दिखता है फिर भी भावनात्मक रूप से उन तरीकों से नाजुक है जिन्हें वह स्वीकार करने से इनकार करता है। विराट के साथ उनका रिश्ता विशेष रूप से दिलचस्प है, यह एक कोई खास पिता-पुत्र संघर्ष नहीं है, बल्कि विचारधाराओं, आशंकाओं और अनकहे घावों का टकराव है। टीम अविश्वसनीय रूप से सहायक रही है, और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक राजनाथ की यात्रा से कैसे जुड़ते हैं।₹ 'इत्ती सी खुशी' हर सोमवार से शनिवार रात नौ बजे, केवल सोनी सब पर प्रसारित होता है।

भारत की 8 प्रतिशत की विकास दर, इनोवेशन संचालित नीतियों का नतीजा: पीएम मोदी

अम्मान/नई दिल्ली। भारत-जॉर्डन बिजनेस फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ बढ़ रहा है और देश की वृद्धि दर 8 प्रतिशत से अधिक है। यह उत्पादकता संचालित शासन और इनोवेशन संचालित नीतियों का नतीजा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मौजूदा समय में भारत में जॉर्डन के निवेशकों के लिए अवसर के नए दरवाजे खुले रहे हैं और यहां के निवेशक भारत में निवेश कर अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जॉर्डन के बीच फार्मा और मेडिकल उपकरण क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। आज हेल्थकेयर केवल एक सेक्टर नहीं रह गया है, बल्कि एक रणनीतिक प्राथमिकता बन गया है। अगर भारतीय कंपनियां जॉर्डन में दवाएं और मेडिकल उपकरण बनाती हैं, तो इससे जॉर्डन के लोगों को तो फायदा होगी, बल्कि जॉर्डन अफ्रीका और पश्चिम एशिया के भी एक भरोसेमंद हब बन सकता है। रिन्यूएबल एनर्जी में देश में हुए विकास पर पीएम मोदी ने कहा कि आज की दुनिया ग्रीन ग्रोथ के बिना आगे नहीं बढ़ सकती है, क्योंकि क्लीन एनर्जी अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गई है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत सोलर, विंड, ग्रीन हाइड्रोजन और एनर्जी स्टोरेज में भारत एक बड़े निवेशक के रूप में काम रहा है। जॉर्डन के पास भी इस सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं, जिसे हम अनलॉक कर सकते हैं। साथ ही कहा कि इस प्रकार ऑटोमोबाइल और ईवी में भी कई संभावनाएं हैं और भारत किफायती ईवी और दोपहिया एवं सीएनजी मोबिलिटी में शीर्ष देशों में एक है और हमें ज्यादा से ज्यादा काम मिलकर करना चाहिए। दोनों देश की मजबूत विरासत पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जॉर्डन दोनों देश अपने कल्चर, अपनी हेरिटेज पर बहुत गर्व करते हैं। कल्चर और हेरिटेज टूरिज्म के लिए दोनों देशों में बहुत स्कोप है। दोनों देशों के इन्वेस्टर्स को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। भारत में इतनी सारी फिल्में बनती हैं, उन फिल्मों की शूटिंग जॉर्डन में हो सकती है। ज्वाइंट फिल्म फेस्टिवल हों, इसके लिए भी जरूरी प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं।

जॉर्डन के क्राउन प्रिंस खुद कार ड्राइव कर प्रधानमंत्री मोदी को लेकर गए म्यूजियम

अम्मान/नई दिल्ली। एक खास अंदाज में, क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला II मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जॉर्डन संग्रहालय तक अपनी गाड़ी में ले गए। क्राउन प्रिंस पैगंबर मोहम्मद की 42वीं पीढ़ी के वंशज हैं। एक्स पोस्ट में तस्वीर साझा करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि महामहिम रॉयल क्राउन प्रिंस अल-हुसैन बिन अब्दुल्ला II के साथ द जॉर्डन म्यूजियम जाते हुए।" जॉर्डन म्यूजियम का मकसद देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजना और पेश करना है। यह संग्रहालय एक लर्निंग सेंटर है जो कई दिलचस्प तरीकों से ज्ञान शेयर करता है। म्यूजियम की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, हर सेक्शन को अपडेट रखा जाता है, जिसमें गैलरी प्रदर्शनी से लेकर संरक्षण और शैक्षिक कार्यक्रम तक शामिल हैं। यह म्यूजियम जॉर्डन के इतिहास और पुरातत्व के 1.5 मिलियन सालों की इनोवेशन की कहानी प्रदर्शित करता है। इससे पहले पीएम मोदी ने अपनी जॉर्डन यात्रा के नतीजों के बारे में बताया और कहा कि ये दोनों देशों के बीच पार्टनरशिप का "एक सार्थक विस्तार" है। प्रधान मंत्री ने सोमवार को अल हुसैनिया पैलेस में जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला II से मुलाकात की, और द्विपक्षीय व्यापार को 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखने का प्रस्ताव दिया। पीएम मोदी ने जॉर्डन के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और भारत के यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के बीच सहयोग का भी आह्वान किया। इस यात्रा के मौके पर, दोनों पक्षों ने संस्कृति, अक्षय ऊर्जा, जल प्रबंधन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, और पेट्रा और एलोरा के बीच ट्विनिंग व्यवस्था के क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों (एमओयू) को अंतिम रूप दिया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए इस अहम मुलाकात के उद्देश्य को साझा किया। पोस्ट में लिखा कि ये नतीजे भारत-जॉर्डन साझेदारी का एक सार्थक विस्तार हैं। नई और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हमारा सहयोग स्वच्छ विकास, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु जिम्मेदारी के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ट्रंप ने फेंटेनाइल को 'सामूहिक विनाश का हथियार' घोषित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन करते हुए फेंटेनाइल को सामूहिक विनाश का हथियार घोषित किया है। उन्होंने कहा कि यह सिंथेटिक ओपियोइड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है और इसके अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई और तेज की जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आज मैं एक ऐतिहासिक आदेश पर हस्ताक्षर कर रहा हूं, जिसके तहत फेंटेनाइल को सामूहिक विनाश का हथियार माना जाएगा। कोई भी बम उतना नुकसान नहीं करता, जितना यह नशा कर रहा है। उन्होंने बताया कि फेंटेनाइल से होने वाली मौतों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक है। उनके अनुसार हर साल दो से तीन लाख लोगों की मौत इस नशे की वजह से हो रही है, जिससे अमेरिकी परिवार बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के दुश्मन देश जानबूझकर फेंटेनाइल की तस्करी कर रहे हैं। उनका कहना था कि फेंटेनाइल को अमेरिका भेजने के पीछे मंशा अमेरिकियों को नुकसान पहुंचाने की है। ट्रंप ने बड़ी मात्रा में ड्रग्स पकड़े जाने को प्रगति के सबूत के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा कि मई में, हमने अमेरिका के इतिहास में फेंटेनाइल की सबसे बड़ी खेप पकड़ी, एक ही बार में तीन मिलियन फेंटेनाइल गोलियां जब्त कीं।

सीरिया में ISIS के हमले में मारे गए दो सैन्य अधिकारी अमेरिका के

वाशिंगटन। सीरिया में इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट या इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के हमले में मारे गए तीन लोगों में दो की पहचान अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के रूप में हुई है। यह हमला सीरिया के पाल्मायरा में सप्ताहांत में हुआ। सेना ने सोमवार को कहा कि आतंकवादी समूह के हमले में दो अमेरिकी सैनिक सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर (25) डेस मोइनेस, आयोवा और सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड (29) मार्शलटाउन, आयोवा के रूप में हुई है। दोनों आयोवा नेशनल गार्ड के सदस्य थे।

इस हमले में एक दुभाषिया भी मारा गया। पेंटागन ने कहा कि शनिवार के हमले में आईएसआईएस एक बंदूकधारी ने दो सैनिकों और दुभाषिया पर घात लगाकर हमला किया। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सार्जेंट हॉवर्ड और सार्जेंट टोरेस-टोवर ने राष्ट्र के सम्मान के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान कर दिया।

पाकिस्तान के सिंध में 19 बस यात्री अगवा, 10 को छुड़ाया गया

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने 19 बस यात्रियों का अपहरण कर लिया। बस क्वेटा जा रही थी। यह वारदात काशमोर के मुरीद शाख इलाके में हुई। सुरक्षा बलों ने इन यात्रियों में से 10 को छुड़ा लिया है। ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक शोएब लेहरी ने बताया कि सोमवार रात करीब 11:30 बजे गुड्डू काशमोर लिंक रोड पर गुड्डू इंटरचेंज के पास लगभग 15 बंदूकधारियों ने बस को रोका। बस में पुरुष, महिलाएं और बच्चे सवार थे। बंदूकधारी इनमें से 15 को अपने साथ ले गए। यह सूचना पुलिस और रेंजर्स को दी गई। पुलिस और रेंजर्स ने बलोचिस्तान के सोनमियानी में गोलीबारी के बाद 10 अगवा यात्रियों को छुड़ा लिया। उप पुलिस महानिरीक्षक सुक्कुर कैप्टन (रिटायर्ड) फैसल अब्दुल्ला चाचर ने बताया कि छुड़ाए गए कुछ यात्रियों में रहीम यार खान से मोहम्मद इरफान, लाल खान और जुल्फिकार अली, मुजफ्फरगढ़ से फिरोज खान और करीम बख्श और सैयद अली इमाद शामिल हैं।

मेक्सिको में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 7 की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सेंट्रल स्टेट ऑफ मेक्सिको में सैन माटेओ एटेंको नगर में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय प्रशासन के अनुसार इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई।

राज्य के नागरिक सुरक्षा समन्वयक एड्रियन हर्नांदेज रोमेरो ने बताया कि विमान में कुल 10 लोग सवार थे, जिनमें पायलट और सह-पायलट भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। हर्नांडेज कहा कि यह एक निजी जेट विमान था, जिसमें आठ यात्री और दो चालक दल के सदस्य रजिस्टर्ड थे। हालांकि, दुर्घटना के कई घंटे बाद तक केवल सात शव ही बरामद किए जा सके थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान ने एक फुटबॉल मैदान में उतरने की कोशिश की थी, लेकिन पास के एक व्यावसायिक भवन की मेटल की छत से टकरा गया। टक्कर के बाद वहां भीषण आग लग गई। हादसे की जांच की जा रही है। राज्य की सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि राहत और बचाव दल मौके पर काम कर रहे हैं और लोगों से अपील की गई है कि वे उस क्षेत्र से दूर रहें। यह दुर्घटना सोमवार को एक औद्योगिक इलाके में हुई, जो टोलुका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग 5.7 किलोमीटर दूर है। यह हवाई अड्डा तोलूका घाटी का एक प्रमुख विमानन केंद्र है।

मेक्सिको के इंफ्रास्ट्रक्चर, कम्युनिकेशंस और ट्रांसपोर्ट मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह हादसा स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 12 बजकर 31 मिनट पर हुआ। सैन माटेओ एटेंको की मेयर एना मुनिज नेरा ने घटनास्थल का दौरा किया और लोगों से फिर अपील की कि वे वहां न जाएं। उन्होंने बताया कि यह विमान जेट प्रो कंपनी का था और जमीन पर किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।